website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक

रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 234 | पेज: 8 | जयपुर, शनिवार 02 अगस्त 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

भारत और रूस के बीच 'मजबूत और भरोसेमंद साझेदारी'- विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को कहा कि भारत और रूस के बीच 'मजबूत और भरोसेमंद साझेदारी' है। नई दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में रणधीर जायसवाल ने बताया कि भारत का किसी भी देश के साथ संबंध अपनी खूबियों पर टिका है और इसे किसी तीसरे देश के नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए।

जब उनसे पूछा गया कि क्या भारत-रूस संबंधों में कोई बदलाव आया है। इस सवाल के जवाब में जायसवाल ने कहा, "हमारे किसी भी देश के साथ संबंध अपनी योग्यता पर आधारित हैं और उन्हें किसी तीसरे देश के नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए। जहां तक भारत-रूस संबंधों का सवाल है, हमारे बीच की दोस्ती मजबूत और भरोसेमंद है।"

रणधीर जायसवाल की यह प्रतिक्रिया अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो के उस बयान के 24 घंटे बाद आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत का रूस से तेल खरीदना अमेरिका के साथ उसके रिश्तों में परेशानी का कारण है।

गौरतलब है कि भारत 2022 से शुरू हुए रूस-यूक्रेन युद्ध के बावजूद रूस से तेल खरीद रहा है। रूबियो ने गुरुवार को फॉक्स रेडियो पर कहा, "भारत हमारा सहयोगी और रणनीतिक साझेदार है, लेकिन विदेश नीति में हर समय 100 प्रतिशत सहमति नहीं होती।" उन्होंने आगे कहा, "भारत की ऊर्जा जरूरतें बहुत ज्यादा हैं और इसमें तेल, कोयला, गैस और अपनी अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए जरूरी चीजें खरीदने की क्षमता शामिल है, जैसा हर देश करता है। भारत ये जरूरतें रूस से पूरी करता है, क्योंकि रूसी तेल पर पाबंदियां लगी हैं और वह सस्ता मिलता है। रूस को अक्सर इसे वैश्विक बाजार मूल्य से कम कीमत पर बेचना पड़ता है। दुर्भाग्य से, इससे रूस के युद्ध प्रयासों को सहारा मिल रहा है। इसलिए यह बात भारत और हमारे रिश्तों में एक परेशानी का बिंदु है।"

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी भारत के रूस के साथ व्यापारिक संबंधों और ऊंचे व्यापारिक अवरोधों का हवाला देकर भारतीय आयात पर 25 प्रतिशत शुल्क और अतिरिक्त दंड लगाने की घोषणा की थी, जो 1 अगस्त से लागू होता। हालांकि, अब इस फैसले को 7 अगस्त के लिए टाल दिया गया है।

राहुल गांधी का भारत विरोधी बयान देना सही नहीं- किरेन रिजिजू

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर हमला बोला। उन्होंने राहुल गांधी के बयानों को भारत विरोधी बताया और कहा कि वह बार-बार भारत विरोधी बयान दे रहे हैं, जो सही नहीं है।

विपक्ष की मांग पर 'ऑपरेशन सिंदूर' पर की गईं चर्चा

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा, "संसद के मानसून सत्र की कार्यवाही के पहले दिन से विपक्ष ने हंगामा करने का काम किया। विपक्ष की मांग पर 'ऑपरेशन सिंदूर' पर चर्चा की गई और सभी दलों ने इसमें हिस्सा भी लिया। जब एक विषय पर चर्चा खत्म हो जाती है तो अलग-अलग दलों की ओर से नोटिस दिए जाते हैं, लेकिन बहस शुरू होते ही वे वेल में आ जाते हैं। विपक्ष सदन को चलने नहीं देता और फिर आरोप लगाता है कि उन्हें बोलने नहीं दिया जा रहा। मैं इस झूठे आरोप की निंदा करता हूं कि उन्हें बोलने नहीं दिया जा रहा।"

किरेन रिजिजू ने कहा-राहुल गांधी बार-बार भारत विरोधी बयान दे रहे हैं

किरेन रिजिजू ने राहुल गांधी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा, "राहुल गांधी बार-बार भारत विरोधी बयान दे रहे हैं, जो सही नहीं है। यहां तक कि कई विपक्षी पार्टी के नेताओं ने भी इसकी निंदा की है। कोई भी भारत की अर्थव्यवस्था और छवि के खिलाफ अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल नहीं कर सकता। राहुल गांधी कोई बच्चे नहीं हैं, यह हर भारतीय का कर्तव्य है, और विपक्ष के नेता के तौर पर उन्हें समझना चाहिए कि देश विरोधी बयान देना और संसद को बाधित करना सही नहीं है।"

दोनों सदन सोमवार तक के लिए स्थगित

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने संसद की कार्यवाही के बारे में जानकारी देते हुए बताया, "दोनों सदनों को सोमवार तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। मैंने पहले भी कहा है कि इसका सबसे बड़ा नुकसान विपक्षी दलों के सदस्यों को उठाना पड़ रहा है। सरकार काम कर रही है, जनता के आशीर्वाद से, और नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार मजबूती से चल रही है। मगर, संसद नहीं चलने से सबसे ज्यादा नुकसान विपक्षी सांसदों को हो रहा है। वे लोगों की आवाज और सवाल नहीं उठा पा रहे हैं।

सरकार नियमों के अनुसार किसी भी मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार

उन्होंने आगे कहा, "संसद न चलने से विपक्षी नेताओं के मुद्दे नहीं उठाए जा रहे, जिन नियमों के तहत मुद्दों पर चर्चा की अनुमति है, वे उन मुद्दों पर चर्चा नहीं करते।" एसआईआर पर बहस की विपक्ष की मांग पर केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, "मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि सरकार नियमों के अनुसार किसी भी मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है। एसआईआर पर चर्चा नहीं हो सकती, क्योंकि यह एक संवैधानिक संस्था द्वारा की जाने वाली प्रक्रिया है और यह पहली बार नहीं हो रहा है।"

अमेरिका ने भारत पर लगाए गए टैरिफ को टाला, एक हफ्ते के लिए किया गया स्थगित

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाली सरकार ने भारत से आयातित वस्तुओं पर लगाए गए 25 प्रतिशत टैरिफ को एक हफ्ते के लिए स्थगित कर दिया है। अब यह टैरिफ 1 अगस्त की बजाय 7 अगस्त से प्रभावी होगा। डोनाल्ड ट्रंप ने भारत समेत 92 देशों पर नए टैरिफ लगा दिए हैं। ये 7 अगस्त से लागू होंगे। इसमें भारत पर 25 फीसदी और पाकिस्तान पर 19 फीसदी टैरिफ लगाया गया है। साउथ एशिया में सबसे कम टैरिफ पाकिस्तान पर लगाया गया है; पहले ये 29 फीसदी था। वहीं दुनियाभर में सबसे ज्यादा टैरिफ सीरिया पर लगाया गया है, जो 41 प्रतिशत है। लिस्ट में चीन का नाम शामिल नहीं है।

ट्रंप ने 2 अप्रैल को दुनियाभर के देशों पर टैरिफ लगाने का ऐलान किया था, लेकिन 7 दिन बाद ही इसे 90 दिनों के लिए टाल दिया था।

ट्रंप ने 2 अप्रैल को दुनियाभर के देशों पर टैरिफ लगाने का ऐलान किया था, लेकिन 7 दिन बाद ही इसे 90 दिनों के लिए टाल दिया था। कुछ दिनों बाद 31 जुलाई तक का समय दिया था। फिर 90 दिनों में 90 सौदे कराने का टारगेट रखा गया था। हालांकि इस बीच अमेरिका का महज 7 देशों से समझौता हो पाया।

ट्रंप के ऐलान पर भारत ने कहा है कि वह अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगा

डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को नए टैरिफ की घोषणा करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में लिखा, "भारत हमेशा से रूस से अधिकांश सैन्य आपूर्ति खरीदता आया है और अब चीन के साथ मिलकर रूस से ऊर्जा का सबसे बड़ा खरीदार बन गया है। ऐसे समय में जब पूरी दुनिया रूस-यूक्रेन युद्ध के समाप्त होने की उम्मीद कर रही है, भारत का यह रुख उचित नहीं है। ये चीजें अच्छी नहीं हैं।" ट्रंप ने आगे कहा कि इसलिए भारत को 25 प्रतिशत टैरिफ देना होगा और इन कारणों को लेकर उसे एक अतिरिक्त जुर्माना भी भुगतना होगा। वहीं, ट्रंप के इस ऐलान पर भारत ने कहा है कि वह अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगा।

ट्रंप की ओर से भारत पर लगाए गए टैरिफ पर विपक्ष ने उठाया सवाल

ट्रंप की ओर से भारत पर लगाए गए इस टैरिफ पर विपक्ष ने सवाल उठाया है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भारत पर 25 प्रतिशत अमेरिकी टैरिफ के बाद सरकार की पॉलिसी पर सवाल उठाए। राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा को देश चलाना नहीं आता है। इस सरकार ने देश की पूरी इकॉनमी को खत्म कर दिया है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने दुनिया भर के लगभग 70 देशों के लिए टैरिफ दरों की घोषणा की थी

पहले यह टैरिफ 1 अगस्त, शुक्रवार से लागू होने थे, लेकिन ट्रंप ने इस निर्णय को एक सप्ताह के लिए स्थगित कर दिया है। 'पारस्परिक टैरिफ दरों में और संशोधन' नामक एक कार्यकारी आदेश में राष्ट्रपति ट्रंप ने दुनिया भर के लगभग 70 देशों के लिए टैरिफ दरों की घोषणा की थी। भारत इनमें से एक प्रमुख देश है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने की 'दिल्ली को कूड़े से आजादी' स्वच्छता अभियान की शुरुआत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को कश्मीरी गेट स्थित महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यालय में सफाई कार्य कर 'दिल्ली को कूड़े से आजादी' स्वच्छता अभियान की विधिवत शुरुआत की। इस अभियान का लक्ष्य दिल्ली को स्वच्छ, सुंदर और हरित राजधानी बनाना है।

अपने विभाग से स्वच्छता की शुरुआत

इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा, "बड़े बदलाव की शुरुआत हमेशा अपने घर से ही करनी होती है। हमने अपने विभाग को साफ कर कर्मचारियों को जागरूक किया और स्वच्छता का संदेश दिया।" अपने एक्स पोस्ट में उन्होंने जोड़ा कि बदलाव को अपनाकर ही समाज को प्रेरित किया जा सकता है।

31 अगस्त तक चलेगा जन-आंदोलन

1 से 31 अगस्त तक चलने वाला यह अभियान एक जन-आंदोलन के रूप में चलेगा। दिल्ली सरकार के सभी विभाग इसमें सक्रिय भूमिका निभाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा, "यह केवल सफाई नहीं, बल्कि नागरिक जिम्मेदारी और सामूहिक चेतना का प्रतीक है।" यह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'स्वच्छ भारत अभियान' से प्रेरित है।

कश्मीरी गेट में लिया व्यवस्थाओं का जायजा

मुख्यमंत्री ने आईएसबीटी कश्मीरी गेट पर अभियान में हिस्सा लिया, स्थानीय लोगों से सुझाव लिए और अधिकारियों को व्यवस्थाओं में सुधार के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अगस्त का पूरा महीना दिल्ली में स्वच्छता के जन-आंदोलन का साक्षी बनेगा।

मालवीय नगर में पदयात्रा और जागरूकता अभियान

मालवीय नगर विधानसभा क्षेत्र में ग्रीन पार्क, हौज खास, अरोड़ा कॉलोनी और मेहरौली के पुलिस ट्रेनिंग स्कूल तक पांच किलोमीटर की पदयात्रा हुई। इस दौरान सफाई और जनजागरूकता कार्य किए गए। इसमें दिल्ली के महापौर राजा इकबाल सिंह, स्टैंडिंग कमेटी अध्यक्ष सत्य शर्मा, निगम अधिकारी, हॉर्टिकल्चर विभाग और भाजपा विधायक सतीश उपाध्याय सहित कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दूसरे दिन भी जम्मू से अमरनाथ यात्रा स्थगित

-बालटाल से गुफा की ओर आवागमन जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमरनाथ यात्रा शुक्रवार को लगातार दूसरे दिन भी जम्मू से घाटी तक स्थगित रही। यात्रियों को केवल बालटाल बेस कैंप से पवित्र गुफा की ओर जाने की अनुमति दी गई। गुरुवार तक यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या 4 लाख का आंकड़ा पार कर गई है।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने गुरुवार को बताया कि अब तक तीर्थयात्रियों की संख्या 4 लाख के पार हो गया है

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, जो श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड (एसएएसबी) के चेयरमैन भी हैं, ने गुरुवार को तीर्थयात्रियों की संख्या 4 लाख पार करने पर कहा, "बाबा अमरनाथ असंभव को संभव बना देते हैं। उनके आशीर्वाद से पवित्र यात्रा आज 4 लाख का आंकड़ा पार कर गई। मैं इस चमत्कार के लिए भगवान शिव को नमन करता हूं और इस पवित्र तीर्थयात्रा को श्रद्धालुओं के लिए एक दिव्य अनुभव बनाने में शामिल सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त करता हूं।"

बहरहाल यात्रियों को केवल बालटाल बेस कैंप से ही पवित्र गुफा की ओर जाने की अनुमति होगी

एसएएसबी के अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार को जम्मू से घाटी की ओर यात्रियों की आवाजाही नहीं होगी और पहलगाम बेस कैंप से किसी भी यात्री को पवित्र गुफा मंदिर की ओर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी, क्योंकि उस क्षेत्र में ट्रैक का रखरखाव कार्य चल रहा है। यात्रियों को केवल बालटाल बेस कैंप से ही पवित्र गुफा की ओर जाने की अनुमति होगी।

अमरनाथ यात्रा के लिए प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं

अमरनाथ यात्रा के लिए प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। यह यात्रा पहलगाम हमले के बाद हो रही है, जिसमें पाकिस्तान समर्थित आतंकियों ने 26 नागरिकों की हत्या कर दी थी। 180 अतिरिक्त सीएपीएफ कंपनियों को सेना, बीएसएफ, सीआरपीएफ, एसएसबी और स्थानीय पुलिस की मौजूदा ताकत बढ़ाने के लिए लाया गया है।

पहलगाम मार्ग का उपयोग करने वाले लोग चंदनवाड़ी, शेषनाग और पंचतरणी से होकर गुफा मंदिर तक पहुंचते हैं और 46 किलोमीटर की पैदल दूरी तय करते हैं

जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से गुफा मंदिर तक के पूरे रास्ते और दोनों आधार शिविरों के रास्ते में सभी पारगमन शिविरों को सुरक्षा बलों ने सुरक्षित कर लिया है। सेना, बीएसएफ, सीआरपीएफ, एसएसबी और स्थानीय पुलिस की मौजूदा ताकत को बढ़ाने के लिए सीएपीएफ की 180 अतिरिक्त कंपनियां लाई गई हैं। पूरे मार्ग को सुरक्षा बलों ने सुरक्षित कर लिया है। पहलगाम मार्ग का उपयोग करने वाले लोग चंदनवाड़ी, शेषनाग और पंचतरणी से होकर गुफा मंदिर तक पहुंचते हैं और 46 किलोमीटर की पैदल दूरी तय करते हैं।

सुरक्षा कारणों से इस वर्ष यात्रियों के लिए कोई हेलीकॉप्टर सेवा उपलब्ध नहीं है

तीर्थयात्रियों को गुफा मंदिर तक पहुंचने में चार दिन लगते हैं। वहीं, छोटे बालटाल मार्ग का उपयोग करने वालों को गुफा मंदिर तक पहुंचने के लिए 14 किलोमीटर की पैदल यात्रा करनी पड़ती है और यात्रा पूरी करने के बाद उसी दिन आधार शिविर लौटना पड़ता है। सुरक्षा कारणों से इस वर्ष यात्रियों के लिए कोई हेलीकॉप्टर सेवा उपलब्ध नहीं है। श्री अमरनाथ जी यात्रा भक्तों के लिए सबसे पवित्र धार्मिक तीर्थयात्राओं में से एक है, क्योंकि किंवदंती है कि भगवान शिव ने इस गुफा के अंदर माता पार्वती को शाश्वत जीवन और अमरता के रहस्य बताए थे।

71वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स का ऐलान, जानिए किसे मिला कौन सा अवॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के नेशनल मीडिया सेंटर में जूरी चेयरमैन और मशहूर फिल्म निर्माता आशुतोष गोवारिकर ने शुक्रवार को 71वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड का ऐलान किया। यह अवॉर्ड 2023 में रिलीज हुई फिल्मों के लिए दिया गया है। जिसमें अलग-अलग कैटेगरी की फिल्मों और कलाकारों को अवॉर्ड से नवाजा गया है।

खास बात ये है कि बॉलीवुड के किंग खान शाहरुख खान को 33 साल के करियर में पहली बार बेस्ट एक्टर का नेशनल अवॉर्ड मिला है। साल 2023 में आई फिल्म 'जवान' के लिए उन्हें बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड मिला है। इसके अलावा विक्रांत मैसी को भी बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड दिया गया है। फिल्म '12वीं फेल' के लिए उन्हें यह सम्मान मिला है। वहीं, रानी मुखर्जी को फिल्म 'मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे' के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड हासिल किया है।

71वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड में किसे क्या-क्या मिला, आइए जानते हैं:

बेस्ट फीचर फिल्म का नेशनल अवॉर्ड 12वीं फेल को मिला। बेस्ट हिंदी फिल्म का अवॉर्ड 'कटहल' को मिला है। बेस्ट डायरेक्टर का पुरस्कार सुदीप्तो सेन को 'द केरला स्टोरी' के लिए मिला। इसी फिल्म में बेस्ट सिनेमेटोग्राफी के लिए प्रशांतनु मोहपात्रा को सम्मानित किया गया। बेस्ट फीमेल सिंगर का अवॉर्ड शिल्पा राव को 'जवान' फिल्म के लिए मिला। बेस्ट फीमेल सिंगर का पुरस्कार पीवीएन एस. रोहित को 'बेबी' फिल्म के लिए दिया गया।

बेस्ट चिंड्रेन फिल्म की बात करें तो इस बार मराठी फिल्म 'नाल 2' को मिला। बेस्ट एक्शन डायरेक्शन (स्टंट कोरियोग्राफी कैटेगरी) का अवॉर्ड नंदू एंड प्रुथ्वी को फिल्म 'हनु-मैन' के लिए दिया गया। बेस्ट कोरियोग्राफी का पुरस्कार ढिंढोरा बाजे रे फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' के लिए वैभवी मर्चेंट को दिया गया। बेस्ट लिरिक्स का पुरस्कार कासरला श्याम को तेलुगू फिल्म बलगम को मिला। बेस्ट म्यूजिक डायरेक्शन का अवॉर्ड वी प्रकाश को तमिल फिल्म 'वाथी' के लिए और हर्षवर्धन रामेश्वर को फिल्म 'एनिमल' के लिए।

बेस्ट मेकअप आर्टिस्ट का अवॉर्ड श्रीकांत देसाई को फिल्म 'सैम बहादुर' के लिए दिया गया। बेस्ट कॉस्ट्यूम डिजाइनर का सम्मान सचिन लावेलकर, दिव्या गंभीर, निधी गंभीर को फिल्म सैम बहादुर के लिए दिया गया।

बेस्ट प्रोडक्शन डिजाइन: मोहनदास को फिल्म 2018-एवरीवन इज हीरो के लिए मिला। बेस्ट एडिटिंग का नेशनल अवॉर्ड मिधुन मुरली को 'पोक्कालम' (मलयालम) फिल्म के लिए प्रदान किया गया।

बेस्ट साउंड डिजाइन का अवॉर्ड सचिन सुधाकरन, हरिहरनन मुरलीधरन को हिंदी फिल्म 'एनिमल' के लिए दिया गया। बेस्ट स्क्रीनप्ले का पुरस्कार तेलुगू फिल्म बेबी के लिए साईं राजेश नीलम ने जीता। बेस्ट डायलॉग राइटर बने दीपक किंगरानी। उनको हिंदी फिल्म 'सिर्फ एक बंदा काफी है' के लिए ये अवॉर्ड मिला।

भारत-अमेरिका साझेदारी कई बदलावों और चुनौतियों से गुजरकर और मजबूत हुई: विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच एक व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी है, जो साझा हितों, लोकतांत्रिक मूल्यों और मजबूत जनसंपर्क आधारित रिश्तों पर आधारित है। यह साझेदारी समय-समय पर हुए अनेक बदलावों और चुनौतियों का सामना करते हुए भी मजबूत बनी रही है।

मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग के दौरान कहा, "भारत और अमेरिका के बीच साझा हितों, लोकतांत्रिक मूल्यों और मजबूत जनसंपर्क पर आधारित एक व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी है। यह साझेदारी कई बदलावों और चुनौतियों से गुजर चुकी है। दोनों देश अपने ठोस एजेंडे पर केंद्रित हैं और हमें विश्वास है कि यह संबंध आगे भी प्रगति करेगा।"

आपको बता दें, यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका ने भारत पर नए शुल्क (टैरिफ) लगाने की घोषणा की है। ज्ञात हो, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की कि भारत से आने वाले सामानों पर 25 प्रतिशत का 'पारस्परिक शुल्क' लगाया जाएगा और रूस से ऊर्जा खरीद को लेकर एक अलग दंडात्मक शुल्क भी लगाया जाएगा, जो 1 अगस्त से प्रभावी होगा।

ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा, "भारत 1 अगस्त से 25 प्रतिशत शुल्क देगा।" साथ ही उन्होंने यह कहा कि भारत को रूस से ऊर्जा खरीदने पर अतिरिक्त दंड भी भुगतना होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध में जब तक रूस युद्धविराम नहीं करता, तब तक जो देश रूस से ऊर्जा खरीदते रहेंगे, उन पर अमेरिका की ओर से 100 प्रतिशत तक का 'सेकेंडरी टैरिफ' लगाया जाएगा।

ट्रंप के इस कदम को विशेषज्ञों ने एक रणनीतिक दबाव के रूप में देखा है ताकि भारत को किसी समझौते के लिए प्रेरित किया जा सके, खासकर तब जब अमेरिका के वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लटनिक जैसे अधिकारी यह संकेत दे चुके हैं कि भारत जल्द ही कोई व्यापारिक समझौता कर सकता है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने पोस्ट में लिखा, "याद रखिए, भारत हमारा मित्र है, लेकिन हमने वर्षों से उनके साथ अपेक्षाकृत बहुत कम व्यापार किया है, क्योंकि उनके टैरिफ विश्व में सबसे अधिक हैं।" उन्होंने कहा, "भारत ने हमेशा अपनी अधिकांश सैन्य खरीद रूस से की है और वह रूस से ऊर्जा खरीदने वाला सबसे बड़ा खरीदार है। वह भी ऐसे समय में जब पूरी दुनिया चाहती है कि रूस यूक्रेन में नरसंहार बंद करे।"

छात्रसंघ चुनाव पर हाईकोर्ट सख्त

-सरकार को 10 दिन में जवाब देने का आदेश

जयपुर। राजस्थान में तीन साल से छात्रसंघ चुनाव नहीं कराए जाने को लेकर हाईकोर्ट में दायर याचिका पर सुनवाई हुई। छात्र जय राव की याचिका पर अदालत ने राज्य सरकार और राजस्थान यूनिवर्सिटी से 29 जुलाई को जवाब तलब किया था, लेकिन आज महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद ने और समय मांगा। इस पर जस्टिस अनूप ढंढ की बेंच ने सरकार को जवाब दाखिल करने के लिए 10 दिन का समय देते हुए सुनवाई टाल दी। याचिका में कहा गया है कि लिंगदोह कमेटी की सिफारिशों के मुताबिक शैक्षणिक सत्र शुरू होने के 6 से 8 हफ्तों के भीतर चुनाव कराना अनिवार्य है, लेकिन सरकार जानबूझकर छात्रों के प्रतिनिधि चुनने के अधिकार का हनन कर रही है।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

ट्रम्प को सिर्फ डील मेकर समझना हमारी भूल थी: अब उनकी शर्तें भारत की नस पर हैं

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने हाल ही में भारत पर 25% टैरिफ लगाने के साथ यह भी ऐलान कर दिया कि रूस से तेल लेने पर जुर्माना वसूला जाएगा। यह बयान सिर्फ एक आर्थिक चेतावनी नहीं, बल्कि एक कूटनीतिक मनोवैज्ञानिक दबाव है। भारत के लिए यह स्थिति अचानक नहीं आई, बल्कि यह उस गलतफहमी का नतीजा है जो हमने वर्षों से ट्रम्प के व्यक्तित्व और नीति-निर्माण शैली को लेकर पाल रखी थी। ट्रम्प को लेकर शुरू से ही यह धारणा बनी रही कि वे एक 'डील मेकर' हैं—मतलब कोई भी मामला उनके लिए लेन-देन की शर्तों पर आधारित रहेगा, भावना या पुराने रिश्तों से ज़्यादा वे सौदे को अहमियत देंगे। इस सोच में आंशिक सच्चाई ज़रूर है, लेकिन ट्रम्प का मनोविज्ञान केवल सौदेबाज़ नहीं है, बल्कि वह बदले की भावना, राष्ट्रीय स्वार्थ की कट्टरता और व्यक्तिगत सम्मान के संघर्ष से भी भरा हुआ है। भारत ने शायद इस बात को नज़रअंदाज़ कर दिया कि ट्रम्प न केवल व्यापार की शर्तें तय करते हैं, बल्कि यह भी देखते हैं कि कौन देश उनके सामने कितनी 'लचीलापन' दिखा रहा है। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार में जो असंतुलन था, वह ट्रम्प की नज़र में वर्षों से चुभता रहा है। भारत ने लंबे समय तक अमेरिकी कृषि, डेयरी और पेट्रोलियम उत्पादों पर टैरिफ ऊंचा रखा। भारत का तर्क हमेशा यही रहा कि अगर ये उत्पाद सस्ते दरों पर बाज़ार में उतरेंगे तो हमारे किसान और घरेलू उद्योग को नुकसान होगा। यह बात सही है, लेकिन यही वह जगह थी जहाँ भारत को अधिक चतुराई और राजनयिक संतुलन की ज़रूरत थी। ट्रम्प बार-बार चाहते रहे कि भारत कम से कम कुछ अमेरिकी उत्पादों के लिए टैरिफ घटा दे, जिससे उनके घरेलू वोट बैंक को यह संदेश जाए कि वे अमेरिका के हितों के लिए दुनिया के हर कोने में संघर्ष कर रहे हैं। लेकिन भारत ने इस मांग को टालने की रणनीति अपनाई और यही रणनीति अंततः नुकसानदेह साबित हुई। बड़ी बात यह है कि इतने वर्षों तक ट्रम्प ने भारत पर सिर्फ 10% टैरिफ लगाया था। यह कम था, प्रतीकात्मक था—जैसे कोई किसी रिश्ते को बिगाड़ना नहीं चाहता, सिर्फ नाराज़ी जताना चाहता हो। लेकिन भारत ने इसे गंभीर नहीं लिया। भारत यह समझने में चूक गया कि ट्रम्प का धैर्य सीमित होता है और एक वक्त के बाद वे सीधे उस नस को दबा देते हैं जहाँ सबसे ज़्यादा दर्द होता है—और भारत के लिए वह नस रूस है। रूस से तेल लेना भारत की ऊर्जा नीति के लिए ज़रूरी हो सकता है, लेकिन यह अमेरिका की नज़र में उस समय 'अनुशासनहीनता' है जब वाशिंगटन दुनिया से यह चाहता है कि रूस को आर्थिक रूप से अलग-थलग किया जाए। भारत ने यह सोचकर रूस से कच्चा तेल लिया कि इससे हमें फायदा होगा और पश्चिमी देशों को रिफाइन्ड उत्पाद बेचकर आर्थिक लाभ भी मिलेगा। लेकिन ट्रम्प इसे अमेरिका के खिलाफ एक रणनीतिक चाल मानते हैं, जिससे उनकी "डील पॉलिटिक्स" कमजोर पड़ती है। अब ट्रम्प की यह घोषणा कि रूस से तेल लेने पर भी जुर्माना लगेगा, सिर्फ आर्थिक नहीं बल्कि एक तरह की चेतावनी है कि "मैं तुम्हारे पुराने रिश्तों को नहीं मानता, मैं तुम्हें उसी समय दोस्त मानूंगा जब तुम मेरी शर्तों पर चलोगे।" यही वह मनोविज्ञान है जिसे भारत शुरू से ठीक से नहीं समझ सका।

"विषमता कम हो रही है या रूप बदल रही है? – एक नया भारत कैसी समानता देख रहा है?"

-हकीकत यह है कि विषमता घट रही है: आंकड़े क्या कहते हैं?

भारत एक विविधताओं से भरा देश है – जाति, धर्म, भाषा, वर्ग, लिंग और क्षेत्रीय असमानताएं इसकी सामाजिक बनावट में लंबे समय से मौजूद रही हैं। परंतु हाल के दशकों में यह सवाल और भी महत्वपूर्ण हो गया है: क्या अब देश में पहले की तुलना में अधिक समानता आई है? क्या हम एक अधिक न्यायपूर्ण और समतामूलक समाज की ओर बढ़ रहे हैं?

आर्थिक विषमता: असमानता कम या ज्यादा?

तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था लेकिन... भारत की अर्थव्यवस्था पिछले तीन दशकों में तेज़ी से बढ़ी है। उदारीकरण (1991 के बाद) ने देश में व्यापार, निजी निवेश और वैश्विक जुड़ाव को बढ़ावा दिया, जिससे करोड़ों लोगों को गरीबी से बाहर निकालने में मदद मिली। विश्व बैंक के अनुसार, 2005 से 2020 के बीच भारत ने लगभग 27 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला, जो एक बड़ी उपलब्धि है। ग्रामीण इलाकों में भी जीवन स्तर में सुधार देखा गया है।

लेकिन संपत्ति का केंद्रीकरण बढ़ा है

हालांकि गरीबी कम हुई है, लेकिन संपत्ति और आय की विषमता कहीं-कहीं बढ़ी भी है। Oxfam India की रिपोर्ट (2023) के अनुसार, देश के 1% सबसे अमीर लोग, कुल संपत्ति का लगभग 40% मालिक हैं, जबकि निचले 50% लोगों के पास केवल 3% संपत्ति है। पॉजिटिव: गरीबी में तेज़ी से गिरावट, ग्रामीण क्षेत्रों में भी सुधार। नेगेटिव: उच्च वर्ग और निम्न वर्ग के बीच आय और संपत्ति का फासला बरकरार या कुछ हद तक बढ़ा है।

सामाजिक विषमता: जाति **आधारित भेदभाव में कमी?**

संविधान ने बराबरी का अधिकार दिया, भारत के संविधान में जाति आधारित भेदभाव को समाप्त करने का संकल्प लिया गया। अनुसूचित जाति (SC), अनुसूचित जनजाति (ST) और अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) के लिए आरक्षण, छात्रवृत्ति, योजनाएं और प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया गया।

धीमी परन्तु सकारात्मक प्रगति

हाल के वर्षों में दलितों और पिछड़े वर्गों की शिक्षा और सरकारी नौकरियों में भागीदारी बढ़ी है। उदाहरण के लिए: UPSC (संघ लोक सेवा आयोग) की परीक्षा में अब हर साल SC/ST/OBC उम्मीदवार टॉप 100 में शामिल हो रहे हैं। शहरी क्षेत्रों में जाति की पहचान से परे जाकर युवा पीढ़ी अधिक संवाद कर रही है।

लेकिन भेदभाव खत्म नहीं हुआ

गांवों में अब भी छुआछूत की घटनाएं सामने आती हैं।

ऊंची जातियों द्वारा दलितों पर अत्याचार की खबरें अभी भी लगातार मिलती हैं।

कई निजी क्षेत्रों में जाति आधारित अनुपात नहीं दिखाई देता।

पॉजिटिव: सामाजिक जागरूकता, प्रतिनिधित्व में वृद्धि, शिक्षा में सुधार। नेगेटिव: जड़ें गहरी हैं, ग्रामीण क्षेत्रों में अब भी असमानता।

लिंग आधारित विषमता: क्या महिलाएं अधिक सशक्त हुई हैं?

शिक्षा और कामकाज में बढ़त

स्कूलों में लड़कियों की संख्या पहले से कहीं ज़्यादा है।

स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बेहतर हुई है, जिससे महिला और शिशु मृत्यु दर घटी है।

महिलाएं अब वकील, पायलट, वैज्ञानिक और पुलिस अफसर तक बन रही हैं।

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, उज्ज्वला योजना, सुकन्या समृद्धि योजना जैसे सरकारी कार्यक्रमों ने महिला सशक्तिकरण को गति दी है।

लेकिन चुनौतियाँ अभी भी मौजूद हैं

भारत में महिलाओं की श्रम भागीदारी दर (काम करने वाली महिलाओं का प्रतिशत) अभी भी बहुत कम (~20%) है।

घरेलू हिंसा, दहेज प्रथा, और मानसिक उत्पीड़न जैसे मुद्दे अभी भी बहुत बड़े हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों में पितृसत्तात्मक सोच अब भी हावी है। पॉजिटिव: शिक्षा, नेतृत्व और सशक्तिकरण में वृद्धि। नेगेटिव: कामकाजी महिलाओं की संख्या कम, सामाजिक बंधन अब भी सख्त।

शैक्षिक विषमता: क्या सभी को समान अवसर मिल रहे हैं?

सरकारी प्रयासों ने फर्क डाला

मिड डे मील योजना, सरस्वती सायकल योजना, फ्री यूनिफॉर्म व किताबें, और डिजिटल पढ़ाई जैसी योजनाओं ने गरीब बच्चों को स्कूल से जोड़ा। NEP 2020 (नई शिक्षा नीति) समानता और समावेश को केंद्र में रखती है।

डिजिटल डिवाइड और निजीकरण

कोविड के समय ऑनलाइन शिक्षा ने यह दिखा दिया कि डिजिटल डिवाइड (इंटरनेट-संसाधनों की असमानता) कितनी गहरी है।

उच्च शिक्षा में प्राइवेट कॉलेज और यूनिवर्सिटी की फीस बहुत अधिक है, जिससे निम्न मध्यम वर्ग के लिए पहुंच मुश्किल होती है।

पॉजिटिव: स्कूल पहुंच में बड़ा सुधार, लड़कियों की भागीदारी में वृद्धि।

नेगेटिव: उच्च शिक्षा में असमानता, तकनीकी संसाधनों की कमी।

क्षेत्रीय विषमता: क्या भारत के सभी राज्य एकसमान तरक्की कर रहे हैं?

कुछ राज्य बहुत आगे, कुछ बहुत पीछे

महाराष्ट्र, तमिलनाडु, गुजरात, कर्नाटक, पंजाब जैसे राज्य औद्योगिक और सामाजिक विकास में आगे हैं।

बिहार, झारखंड, ओडिशा, उत्तर प्रदेश जैसे राज्य शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी सुविधाओं में पीछे हैं।

सरकार की नीतियाँ और योजनाएं

आकांक्षी जिलों का कार्यक्रम, PMGSY, UDAN योजना, डिजिटल इंडिया जैसी पहलें पिछड़े क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोड़ने के प्रयास हैं।

पॉजिटिव: पूर्वोत्तर, आदिवासी और पिछड़े क्षेत्रों पर विशेष ध्यान।

नेगेटिव: अब भी राज्यवार असंतुलन, निवेश व अवसरों में अंतर।

धार्मिक अल्पसंख्यकों की स्थिति

संविधानिक सुरक्षा

भारत में अल्पसंख्यकों को शिक्षा, धर्म और संस्कृति की स्वतंत्रता दी गई है।

माइनॉरिटी एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस, हज सब्सिडी (अब बंद), और मौलाना आज़ाद फेलोशिप जैसे कार्यक्रम इसका उदाहरण हैं।

सच और चुनौतियाँ

अल्पसंख्यकों की शिक्षा और नौकरी में भागीदारी बढ़ी है, लेकिन अब भी वे गरीबी और शिक्षा में पीछे हैं।

कई बार धार्मिक तनाव और राजनीतिक ध्रुवीकरण से इन वर्गों की सामाजिक सुरक्षा पर असर पड़ता है।

पॉजिटिव: नीतियों में प्रतिनिधित्व व संरक्षण।

नेगेटिव: हाशिए पर होने का एहसास, सामाजिक तनाव की घटनाएं।

क्या वाकई विषमता घट रही है?

निष्कर्ष और विवेचन

भारत में पिछले 75 वर्षों में काफी परिवर्तन हुआ है। जहां एक तरफ संवैधानिक मूल्यों, सरकारी योजनाओं, सामाजिक आंदोलनों और जागरूकता ने असमानताओं को कम किया है, वहीं दूसरी ओर नई चुनौतियां भी खड़ी हो रही हैं – जैसे डिजिटल विभाजन, नई आर्थिक असमानता, सांस्कृतिक ध्रुवीकरण आदि।

निरपेक्ष दृष्टि से:

बिलकुल, विषमता घटी है। अब महिलाएं संसद में हैं। दलित IAS अफसर बनते हैं। गरीब घरों से बच्चे IIT और IIM तक पहुंच रहे हैं। गांव में बिजली, मोबाइल और इंटरनेट पहुंचा है।

लेकिन सापेक्ष दृष्टि से: सब बराबर नहीं हुए हैं। सामाजिक हैसियत, जातिगत हिंसा, लैंगिक भेद, और आर्थिक फासला अब भी मौजूद है। जो लोग पहले से सक्षम थे, उन्होंने अधिक लाभ उठाया।

आगे क्या जरूरी है?

शिक्षा में समानता: सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता में सुधार हो।

स्वास्थ्य का सार्वभौमिक कवरेज: अमीर-गरीब सबको एक जैसी स्वास्थ्य सुविधाएं।

लिंग और जाति के भेदभाव को मिटाने के लिए सामाजिक आंदोलन।

डिजिटल एक्सेस सबको मिले। सभी राज्यों को समान अवसर देने के लिए वित्तीय फेडरलिज़्म को मज़बूत किया जाए। हकीकत यह है कि विषमता घटी है, लेकिन समानता की मंज़िल अभी दूर है। भारत सही दिशा में आगे बढ़ रहा है लेकिन अभी बहुत कुछ करना बाकी है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि हर नागरिक की बराबरी केवल कागज़ पर नहीं बल्कि ज़मीनी हकीकत में होनी चाहिए।

एक समतामूलक भारत ही सच्चे लोकतंत्र की आत्मा है। भारत में विषमता घटी है, पर समानता अभी अधूरी है। शिक्षा, रोजगार, और सामाजिक भागीदारी में सुधार दिखा है, लेकिन जाति, लिंग, आर्थिक और क्षेत्रीय असमानताएं अब भी मौजूद हैं।

मालेगांव धमाका: संदेह के लाभ में सभी आरोपी बरी, एक हज़ार से ज़्यादा सुनवाइयां और पीड़ितों का टूटा विश्वास

-अदालत में लंबी लड़ाई: हजार से ज़्यादा सुनवाइयां और ढहती उम्मीदें

महाराष्ट्र के नासिक ज़िले के मालेगांव शहर में 29 सितंबर 2008 को हुआ बम धमाका भारत के इतिहास में एक ऐसा मोड़ साबित हुआ जिसने आतंकवाद की परिभाषा को चुनौती दी। यह धमाका न केवल दर्जनों ज़िंदगियाँ लील गया, बल्कि कई परिवारों की उम्मीदें, विश्वास और न्याय की लड़ाई को भी लंबे अरसे तक अधर में झुलाता रहा। अब जब इस मामले में कोर्ट ने सबूतों के अभाव और "संदेह का लाभ" देते हुए सभी आरोपियों को बरी कर दिया है, तो एक बड़ा सवाल उठता है—इस न्याय प्रक्रिया में किसे क्या मिला?

धमाके का दिन: एक खौफनाक शाम

29 सितंबर 2008 की शाम करीब सवा सात बजे मालेगांव के भीड़-भाड़ वाले भिकू चौक इलाके में दो मोटरसाइकिलों में बम लगाकर विस्फोट किए गए। धमाके में छह लोगों की मौत हो गई और 100 से अधिक घायल हुए। ये धमाके रमज़ान के महीने में हुए थे, जब लोग इबादतों और रोज़ों में व्यस्त थे। प्रारंभिक जांच ने इसे आतंकी हमला बताया और शक की सुई पाकिस्तान समर्थित इस्लामी संगठनों की ओर गई। लेकिन बहुत जल्दी घटनाक्रम में यू-टर्न आया और कुछ हिन्द संगठनों के नाम सामने आने लगे।

ATS की जांच और नए आरोप

महाराष्ट्र एटीएस (Anti-Terrorism Squad) ने शुरुआती जांच के बाद कुछ चौंकाने वाले खुलासे किए। मामले में साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर, लेफ्टिनेंट कर्नल श्रीकांत पुरोहित और स्वामी असीमानंद जैसे नाम पहली बार आतंकवाद से जुड़े आरोपों में आए। यह भारत में शायद पहली बार हुआ था कि "हिंदुत्व विचारधारा" से जुड़े लोगों पर आतंकवाद के आरोप लगे। इसे "भगवा आतंकवाद" की परिभाषा के तौर पर उभारा गया, जिसने राजनीतिक और सामाजिक बहस को भी दो ध्रुवों में बांट दिया। आरोपियों की सफाई और

राजनीतिक माहौल

जैसे ही आरोपियों के नाम सामने आए, देश की राजनीति गर्मा गई। भाजपा और संघ से जुड़े संगठनों ने इन आरोपों को "राजनीतिक षड्यंत्र" बताया और आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार जानबूझकर एक खास विचारधारा को बदनाम करना चाहती है। 2014 के बाद जैसे ही केंद्र में भाजपा सरकार आई, इस मामले में जांच एजेंसियों का रुख बदलता दिखाई देने लगा। एनआईए (राष्ट्रीय जांच एजेंसी) ने कई आरोपों को कमजोर कर दिया, और 2016 में कहा कि पर्याप्त सबूत नहीं हैं।

एक लंबी अदालती प्रक्रिया: आँकड़ों में कहानी

सुनवाई की कुल संख्या: 1000 से अधिक

गवाहों की संख्या: लगभग 300

अभियोजन पक्ष के गवाह जो मुकर गए: 34 से अधिक

केस की अवधि: 2008 से 2024 (16 साल)

जमानत मिलने में वक्त: प्रज्ञा ठाकुर को 9 साल बाद 2017 में जमानत मिली यह मामला विशेष एनआईए अदालत में चला। गवाहों के मुकरने, सबूतों के कमजोर होने, और राजनीतिक हस्तक्षेप की आशंकाओं के बीच अदालती प्रक्रिया का वजन धीरे-धीरे हल्का पड़ने लगा।

2024 का फैसला: संदेह का लाभ

12 जुलाई 2024 को विशेष एनआईए कोर्ट ने सभी सात आरोपियों को बरी कर दिया, जिसमें प्रमुख नाम थे – साध्वी प्रज्ञा, कर्नल पुरोहित, सुधाकर द्विवेदी, समीर कुलकर्णी आदि। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि अभियोजन पक्ष ठोस सबूत पेश करने में विफल रहा और गवाहों के बयान आपस में मेल नहीं खाते। कोर्ट ने स्पष्ट किया – "शक की स्थिति में सज़ा नहीं दी जा सकती। अभियोजन पक्ष संदेह से परे जाकर आरोप साबित नहीं कर सका।"

पीड़ित परिवारों का दर्द: न्याय नहीं, थकावट मिली

मालेगांव के आम नागरिक, जिनके अपने इस धमाके में मारे गए या घायल हुए, न्याय की इस प्रक्रिया से बेहद निराश हैं। एक पीड़ित की माँ ने कहा— "हमें न मुआवज़ा मिला, न इंसाफ़। हम तो हर सुनवाई में बस यही सुनते रहे कि अगली तारीख़ दी जाती है।" कुछ पीड़ितों को गवाह बनने के लिए कोर्ट में हाज़िरी के नाम पर रोज़गार गंवाना पड़ा, बच्चों की पढ़ाई छूटी, लेकिन अंत में परिणाम शून्य रहा। उनका यह भी कहना है कि जांच एजेंसियों ने पहले गंभीरता दिखाई, लेकिन बाद में मामला कमजोर कर दिया गया।

क्या सच में था कोई षड्यंत्र?

इस केस की सबसे बड़ी बहस यही रही—क्या यह एक आतंकी हमला था या राजनीतिक एजेंडे का हिस्सा? क्या एजेंसियों ने सही दिशा में जांच की या सत्ता के दबाव में केस की दिशा बदल दी गई? पूर्व एटीएस प्रमुख हेमंत करकरे, जिन्होंने प्रारंभिक जांच की थी, 26/11 के मुंबई हमले में शहीद हो गए। उनके परिवार और सहयोगियों का दावा रहा है कि करकरे ईमानदारी से जांच कर रहे थे और उन पर दबाव डाला जा रहा था। बाद में इस केस की कमान एनआईए ने संभाली, और 2016 में कहा गया कि उनके पास आरोप सिद्ध करने के लिए "ठोस सबूत" नहीं हैं।

साध्वी प्रज्ञा की राजनीति में एंट्री और नया विमर्श

साध्वी प्रज्ञा, जिन्हें 2008 में मुख्य आरोपी बनाया गया था, 2019 में भोपाल से भाजपा सांसद बनीं। उनके प्रचार के दौरान उन्होंने कई बार यह दावा किया कि उन्हें कांग्रेस सरकार ने "झूठे केस" में फंसाया। जब वे सांसद बनीं, तो यह पहली बार था कि कोई आतंकी मामले की आरोपी संसद में बैठी। इससे पीड़ितों के ज़ख्म और गहरे हुए।

न्याय व्यवस्था और जांच एजेंसियों पर सवाल

इस केस ने यह सवाल बहुत गंभीरता से खड़ा किया है कि क्या भारत की जांच एजेंसियाँ और न्यायिक प्रणाली राजनीतिक प्रभाव से मुक्त हैं? जब अभियोजन पक्ष बार-बार गवाह नहीं ला पाता, जब गवाह मुकरने लगते हैं, जब केस की जांच दिशा बदलती है, तो आम जनता का विश्वास टूटता है। इस केस में भी यही हुआ।

क्या यह सिर्फ 'संदेह का लाभ' है या कुछ और?

कोर्ट का फैसला कानूनी रूप से बिल्कुल वैध हो सकता है, लेकिन नैतिक और सामाजिक रूप से यह पीड़ितों के ज़ख्मों पर नमक छिड़कने जैसा है। एक सवाल यह भी है कि इतने लंबे केस में सरकारों ने पीड़ितों के पुनर्वास और सहायता के लिए क्या किया? क्या सिर्फ आरोपियों की बेगुनाही साबित करना ही उद्देश्य था, या असली दोषियों तक पहुँचना?

टीपू सुल्तान: भारत के पहले मुस्लिम क्रांतिकारी 'शेर' की शहादत की दास्तान

-तकनीकी विकास और रॉकेट तकनीक

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की जब भी बात होती है, तो 1857 की क्रांति को पहला बड़ा आंदोलन माना जाता है। लेकिन इससे बहुत पहले भी ऐसे अनेक योद्धा हुए जिन्होंने अपने खून और हिम्मत से आज़ादी का सपना देखा। उन्हीं महान योद्धाओं में एक नाम बेहद गर्व से लिया जाता है — टीपू सुल्तान, जिन्हें "मैसूर का शेर" और भारत के पहले मुस्लिम क्रांतिकारी के रूप में जाना जाता है। वे केवल एक वीर योद्धा ही नहीं, बल्कि विज्ञान, प्रशासन और धर्मनिरपेक्षता के भी प्रतीक थे। आइए, उनके जीवन, संघर्ष और बलिदान की दास्तान को विस्तार से जानें।

प्रारंभिक जीवन और पृष्ठभूमि

टीपू सुल्तान का जन्म 20 नवम्बर 1750 को देवनाहल्ली (वर्तमान में कर्नाटक) में हुआ था। उनके पिता हैदर अली मैसूर राज्य के एक सिपाही से बढ़ते-बढ़ते सेना प्रमुख और फिर शासक बन गए। हैदर अली की सैन्य कुशलता और रणनीति का प्रभाव टीपू पर बचपन से ही पड़ा। टीपू को धर्म, खगोलशास्त्र, युद्ध-कला, घुड़सवारी और कई भाषाओं (अरबी, फ़ारसी, उर्दू, कन्नड़) का गहरा ज्ञान था। टीपू की मां फातिमा बेगम धार्मिक और शिक्षित महिला थीं, जिन्होंने उनके भीतर नैतिकता, न्यायप्रियता और अल्लाह के प्रति सच्ची भक्ति की भावना भर दी।

युवावस्था में युद्ध का अनुभव

टीपू सुल्तान ने महज़ 15 साल की उम्र में ही अपने पिता के साथ ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी और मराठाओं के खिलाफ कई युद्धों में भाग लिया। 1767 में ही वे अंग्रेज़ों के खिलाफ पहले युद्ध में शामिल हुए। यहीं से उनके भीतर ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ एक असाधारण क्रांति की चिंगारी जगी।

मैसूर की गद्दी और शासनकाल

1782 में हैदर अली के निधन के बाद टीपू सुल्तान ने मैसूर की गद्दी संभाली। 1782 से 1799 तक वे मैसूर के शासक रहे। उनका शासनकाल विकास, धर्मनिरपेक्षता और आत्मसम्मान का प्रतीक था। उन्होंने कृषि सुधार किए, व्यापार को बढ़ावा दिया, बंदरगाह बनाए और एक मजबूत नौसेना बनाई। टीपू ने हिन्द मंदिरों और पुजारियों को संरक्षण दिया, उनके राज में धर्म के आधार पर कोई भेदभाव नहीं था। उन्होंने अपने शासन में हिन्द अफसरों को ऊंचे पदों पर रखा। उनकी सेना में मुसलमानों के साथ-साथ हिंदू और ईसाई भी शामिल थे।

तकनीकी विकास और रॉकेट तकनीक

टीपू सुल्तान का नाम भारत में आधुनिक युद्ध तकनीक के जनक के रूप में भी लिया जाता है। उन्होंने अपने पिता हैदर अली के साथ मिलकर पहली बार लोहे की रॉकेट तकनीक का प्रयोग किया। ये रॉकेट ब्रिटिश सेना पर भारी पड़े। अंग्रेज़ों ने बाद में इस तकनीक को कॉपी कर के अपनी सेना में अपनाया। यह वही टीपू थे जिनकी प्रेरणा से "टिप्पू सुल्तान की तलवार" और "रॉकेट्स" आज भी ब्रिटिश संग्रहालय में रखे गए हैं — ये उनके विज्ञान और तकनीकी दृष्टिकोण के जीते-जागते प्रमाण हैं।

ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ संघर्ष

टीपू सुल्तान ने ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के खिलाफ चार युद्ध लड़े, जिन्हें मैसूर युद्ध कहा जाता है:

पहला और दूसरा मैसूर युद्ध (1767–69, 1780–84)

पहले दो युद्धों में टीपू और उनके पिता हैदर अली ने अंग्रेज़ों को करारी शिकस्त दी। दूसरा युद्ध खत्म होने के बाद 1784 में "मैंगलोर की संधि" हुई जिसमें अंग्रेज़ों को झुकना पड़ा।

तीसरा मैसूर युद्ध (1790–92)

यह युद्ध अंग्रेज़ों और उनके सहयोगी निज़ाम व मराठाओं के बीच हुआ। इस युद्ध में टीपू को हार का सामना करना पड़ा और उन्हें अपने दो बेटों को बंधक के रूप में अंग्रेज़ों को देना पड़ा।

चौथा मैसूर युद्ध (1799)

यह निर्णायक युद्ध था। अंग्रेज़ों ने एक बड़ी साजिश के तहत निज़ाम और मराठाओं को मिलाकर टीपू के खिलाफ मोर्चा खोला। 4 मई 1799 को श्रीरंगपट्टनम के किले में लड़ते हुए टीपू सुल्तान शहीद हो गए।

शहादत: "शेर की तरह मरना, गीदड़ की तरह जीने से बेहतर है"

टीपू सुल्तान की सबसे मशहूर पंक्तियों में से एक है: "शेर की एक दिन की ज़िंदगी, गीदड़ की सौ साल की ज़िंदगी से बेहतर है।" वे अंत तक अंग्रेज़ों से लड़ते रहे और कभी आत्मसमर्पण नहीं किया। उनकी मौत स्वतंत्रता और आत्मसम्मान की मिसाल बन गई। उनकी शहादत ने आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा दी। 1857 की क्रांति में मंगल पांडे और बहादुर शाह ज़फ़र जैसे सेनानियों के लिए टीपू एक आदर्श बन गए।

धार्मिक सहिष्णुता और जनता के लिए समर्पण

हालांकि कुछ ब्रिटिश इतिहासकारों ने उन्हें साम्प्रदायिक बताने की कोशिश की, लेकिन सच्चाई यह है कि टीपू सुल्तान ने अनेक हिन्द मंदिरों को दान दिया, उन्हें संरक्षण दिया। उन्होंने श्रीरंगपट्टनम के प्रसिद्ध रंगनाथ स्वामी मंदिर को दान में ज़मीन और सोना दिया था। उनकी सेना में भी अनेक हिंदू जनरल थे जैसे — पूर्नैया। वे हमेशा अपने लोगों के कल्याण के लिए कार्य करते रहे, चाहे उनका धर्म कुछ भी हो।

विदेशी सहयोग और अंतरराष्ट्रीय सोच

टीपू सुल्तान की दूरदर्शिता का अंदाज़ा इस बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने फ्रांस, अफगानिस्तान और तुर्की जैसे देशों से सहयोग मांगा ताकि भारत को ब्रिटिश गुलामी से मुक्त किया जा सके। उन्होंने फ्रांस से सैन्य प्रशिक्षकों को बुलाया, फ्रेंच भाषा सिखाई और एक फ्रांसीसी शैली की सेना तैयार की।

टीपू की विरासत और आज का भारत

टीपू सुल्तान का नाम भारत की आज़ादी के पहले संघर्षकर्ता के रूप में लिया जाता है। उनका जीवन इस बात का प्रतीक है कि आज़ादी के लिए लड़ाई केवल तलवार से नहीं, बल्कि न्याय, विज्ञान, धर्मनिरपेक्षता और जनता के कल्याण के लिए नीतियों से भी लड़ी जाती है। आज कर्नाटक, तमिलनाडु और केरल के कई हिस्सों में टीपू सुल्तान की याद में सड़कें, स्मारक और संस्थान बनाए गए हैं। उनकी तलवार, अंगूठी और रॉकेट ब्रिटिश संग्रहालयों में रखे गए हैं, जो उनकी बहादुरी और तकनीकी ज्ञान का प्रमाण हैं।

भारत का पहला स्वतंत्रता सेनानी

टीपू सुल्तान केवल एक मुस्लिम शासक नहीं थे, वे एक क्रांतिकारी सोच रखने वाले, देशभक्त, न्यायप्रिय और प्रगतिशील नेता थे। उन्होंने धर्म, जाति, क्षेत्र की सीमाओं से ऊपर उठकर भारत की आज़ादी के लिए संघर्ष किया। उनका बलिदान एक सबक है — कि जब अन्याय के खिलाफ लड़ाई लड़नी हो, तो न डरें, न झुकें — बस डटे रहें।

आज जब हम आज़ादी की 75वीं वर्षगांठ मना चुके हैं, हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि इस आज़ादी की नींव सदियों पहले टीपू सुल्तान जैसे सेनानियों ने अपने खून से रखी थी। वे हमारे इतिहास के पहले "मुस्लिम क्रांतिकारी शहीद" थे, जिन्होंने अंग्रेज़ों के खिलाफ नारा बुलंद किया और जान देकर भी घुटने नहीं टेके।

पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 20वीं किश्त पीएम मोदी 2 अगस्त को करेंगे जारी- मदन राठौड़

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वकांक्षी योजना पीएम किसान सम्मान निधि की 20वीं किश्त 2 अगस्त को जारी की जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वाराणसी में आयोजित कार्यक्रम के दौरान देश के पंजीकृत किसानों को डीबीटी के माध्यम से 2 हजार रुपए हस्तांतरित करेंगे। पीएम किसान सम्मान निधि योजना को लेकर राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने पात्र परिवार और लाभार्थियों से संबंधित प्रश्न लगाया था, जिसके जवाब में कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भूमिधारक किसानों की वित्तीय आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए फरवरी 2019 में 'पीएम किसान सम्मान निधि योजना' को शुरू किया था। योजना के तहत अब तक 19 किश्तों में 3.69 लाख करोड़ से अधिक की धनराशि वितरित की है। पहली किश्त में जहां देशभर के 3 करोड़ 16 लाख 21 हजार से अधिक लाभार्थियों के खाते में 6324 करोड़ रुपए हस्तांतरित किए गए थे, वहीं 19वीं किश्त के रूप में 10 करोड़ 6 लाख 85 हजार से अधिक लाभार्थियों के खाते में 23500 करोड़ रुपए हस्तांतरित किए।

राठौड़ ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का प्रयास है कि कोई भी पात्र किसान इस योजना से वंचित न रहे, इसके लिए राज्य सरकारों के साथ मिलकर सैचुरेशन ड्राइव चलाया जा रहा है। 2023 में जहां भारत संकल्प यात्रा के दौरान 1 करोड़ से अधिक किसानों को पीएम किसान योजना में शामिल किया गया था, इसके बाद नई सरकार की 100 दिनों की पहल के तहत लगभग 25 लाख और पात्र किसान परिवारों को इसमें जोड़ा गया। इसके बाद सितंबर 2024 से विशेष अभियान चलाकर फिर से वंचित पात्र परिवारों को योजनों में शामिल करने का प्रयास किया गया। इस दौरान करीबन 30 लाख से अधिक लंबित स्व पंजीकरण मामलों का अनुमोदन किया जा चुका है।

राठौड़ ने बताया कि पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत किसानों के समक्ष आने वाली समस्याओं का त्वरित समाधान के लिए मोदी सरकार प्रतिबद्ध है। मोदी सरकार की ओर से सीपी ग्राम्स पोर्टल, पीएम किसान पोर्टल के माध्यम से इन शिकायतों का समाधान किया जाता है। इसके अतिरिक्त कृषि मंत्रालय की ओर से वॉइस आधारित पीएम किसान एआई चैटबॉट भी तैयार किया है। इसमें किसानों के प्रश्नों के उत्तर उनकी मातृभाषा में दिए जाते है। इस प्रणाली को सुलभ और यूजर फ्रेंडली बनाने के लिए 11 भाषाओं

को शामिल किया है। 15 जुलाई 2025 तक 53 लाख किसानों के 95 लाख से अधिक प्रश्नों का सफलतापूर्वक समाधान किया जा चुका है।

राठौड़ ने बताया कि पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत राजस्थान में जहां पहली किश्त में 65 हजार किसानों के खाते में करीबन 13 करोड़ रुपए हस्तांतरित किए थे, वहीं 19वीं किश्त में लाभार्थियों की संख्या 65 हजार से बढ़कर 76 लाख तक पहुंच गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 19वीं किश्त के दौरान 76 लाख 19 हजार 638 लाभार्थियों के खातें में 1804 करोड़ रुपए हस्तांतरित किए। उन्होंने बताया कि राजस्थान की डबल इंजन सरकार ने किसानों के सम्मान निधि को 6 हजार रुपए से बढ़ाकर 9 हजार रुपए करने का ऐतिहासिक कार्य किया है। राजस्थान की भजनलाल सरकार प्रदेश के 76 लाख से अधिक लाभान्वित किसानों को सालाना 3 हजार रुपए अतिरिक्त प्रदान कर रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का यह फैसला किसानों के सम्मान और आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा कदम साबित होगा। राठौड़ ने कहा कि "किसानों को सम्मान और सुरक्षा देने के लिए पीएम-किसान जैसी योजना एक मील का पत्थर है। केंद्र की मोदी सरकार द्वारा वंचित किसानों की पहचान हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान, तकनीकी नवाचार और ग्राम स्तर की भागीदारी निश्चित रूप से देश के करोड़ों अन्नदाताओं को सशक्त बनाएगी।"

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में प्रशासन के कार्यों की प्रभारी मंत्री ने की सराहना

-सेना के जवानों व ग्रामीणों से की सीधी बातचीत

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। चंबल नदी के बढ़ते जलस्तर के कारण उत्पन्न बाढ़ जैसी परिस्थितियों के बीच धौलपुर जिले के प्रभारी मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने शुक्रवार को धौलपुर जिले के राजाखेड़ा उपखंड क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित गांव गढ़ी जाफर का दौरा किया। उन्होंने राहत शिविरों और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण कर आमजन से बातचीत की और जिला प्रशासन द्वारा की जा रही राहत सेवाओं का फीडबैक लिया। प्रभारी मंत्री ने ग्रामीणों से भोजन, चिकित्सा सुविधाओं, पानी, आश्रय तथा अन्य आवश्यक सेवाओं की उपलब्धता के बारे में जानकारी ली और राहत कार्यों को युद्ध स्तर पर जारी रखने के निर्देश जिला कलेक्टर श्रीनिधि बी टी को दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रभावित परिवार को असुविधा नहीं होनी चाहिए, प्रशासन का हर कर्मचारी इस समय जनसेवा का भागीदार है।

इस मौके पर प्रभारी मंत्री ने प्रशासन द्वारा किए जा रहे राहत एवं बचाव कार्यों की खुले मन से सराहना की। उन्होंने विशेष रूप से सेना के जवानों, एसडीआरएफ टीम और पुलिस बल द्वारा किए जा रहे समर्पित कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि आप सभी आपदा में देवदूत की तरह सेवा दे रहे हैं।

सेना के अधिकारियों व जवानों से

बातचीत करते हुए उन्होंने राहत प्रयासों में उनके योगदान की सराहना की। इस दौरान संभागीय आयुक्त डॉ. टीना सोनी, पुलिस महानिरीक्षक कैलाश चंद्र बिश्नोई, जिला कलेक्टर श्रीनिधि बी टी, पुलिस अधीक्षक, उपखंडाधिकारी वर्षा मीना सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, रेस्क्यू टीम के सदस्य और फील्ड अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रभारी मंत्री ने यह भी कहा कि सरकार पूरी तरह सजग है और एक-एक नागरिक की सुरक्षा और सुविधा सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि मानवता की भावना से कार्य करें। बाढ़ जैसी विकट परिस्थिति में जिला प्रशासन के समन्वित प्रयासों से अब तक जनहानि की कोई सूचना नहीं है, जो दर्शाता है कि पहले से की गई तैयारी और सतर्कता कितनी प्रभावी रही है। उन्होंने शहीद राघवेंद्र सिंह परिहार के स्मारक जाकर नमन किया। इस दौरान जिलाध्यक्ष भाजपा राजवीर सिंह राजावत, नीरजा शर्मा, सत्येंद्र सिंह पाराशर, धीर सिंह जादौन सहित अन्य उपस्थित रहे।

संसदीय कार्य मंत्री ने किया बरकतुल्ला खां स्टेडियम का निरीक्षण

-राज्य स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों की गहन समीक्षा की

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। आगामी राज्य स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह–2025 को गरिमामय, भव्य और सुव्यवस्थित रूप देने के उद्देश्य से शुक्रवार को संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने जोधपुर में समारोह स्थल बरकतुल्ला खां स्टेडियम का निरीक्षण कर तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की।

संसदीय कार्य मंत्री ने मौके पर संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ विभिन्न व्यवस्थाओं—जैसे विशिष्ट अतिथियों के स्वागत, मंच व बैठक योजना, सुरक्षा प्रबंधन, यातायात एवं पार्किंग व्यवस्था, आपातकालीन सेवाएं, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और संपूर्ण स्थल की सौंदर्यात्मक साज-सज्जा—का सूक्ष्म अवलोकन किया। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक व्यवस्था अनुशासित, समन्वित और समयबद्ध होनी चाहिए, ताकि समारोह की गरिमा और राज्य की प्रतिष्ठा अक्षुण्ण बनी रहे।

पटेल ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस मात्र एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि यह हमारी राष्ट्रीय अस्मिता, लोकतांत्रिक परंपरा और वीर बलिदानियों के अद्वितीय योगदान की स्मृति का दिन है। ऐसे आयोजन में प्रत्येक नागरिक को अपने कर्तव्य, संवेदनशीलता और राष्ट्र के प्रति सम्मान को अनुभव करने का अवसर प्राप्त होता है।

पटेल ने यह भी कहा कि इस वर्ष का राज्य स्तरीय मुख्य समारोह मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के मुख्य आतिथ्य में आयोजित होगा, जिसमें मारवाड़ की पारंपरिक आत्मीयता, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और लोक जीवन की विविध रंग में समाहित होंगी। निरीक्षण के दौरान जोधपुर जिला कलक्टर गौरव अग्रवाल और अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने लिया आपदा प्रबंधन को लेकर सतर्कता का संकल्प

-मनोहरपुर में नगर कांग्रेस की बैठक का हुआ आयोजन

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। स्थानीय विधायक मनीष यादव के निर्देशानुसार विधानसभा क्षेत्र के मनोहरपुर में नगर कांग्रेस कार्यकारिणी की बैठक आयोजित हुई। बैठक का आयोजन नगर अध्यक्ष अलाउद्दीन ख़ान के नेतृत्व में किया गया। बैठक में क्षेत्रीय जनसमस्याओं, संगठनात्मक मजबूती, चुनाव आयोग द्वारा किए जा रहे।

एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण), वर्षा ऋतु से संभावित चुनौतियों, विद्यालय व अन्य संस्थाओं के जर्जर भवनो को लेकर अनैकों मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में कांग्रेस कार्यकर्ताओ ने बारिश के कारण उत्पन्न हो सकने वाली आपात स्थितियों से निपटने के लिए सभी कार्यकर्ताओं को तत्पर रहने को कहा गया तथा आपदा प्रबंधन हेतु वॉलंटियर बनाने पर चर्चा हुई।

विद्यालय व अन्य संस्थाओं के जर्जर भवनों के संबंध में चर्चा, कार्यकर्ताओं ने बूथ स्तर तक संगठन को सक्रिय करने व जनसंपर्क बढ़ाने पर सकारात्मक मंथन कर संगठनात्मक मजबूती पर बल दिया। चुनाव आयोग द्वारा किये जा रहे एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) पर विस्तार से चर्चा, क्षेत्र में व्याप्त जनसमस्याओं जैसे पेयजल संकट, बिजली कटौती, सड़क व नालियों की खराब स्थिति जैसे मुद्दों पर समाधान हेतु रणनीति बनाई, स्मार्ट मीटरों की अनियमितताओं पर जन-जागरण अभियान शुरू करने व वीसीआर के नाम पर आमजन को बेवजह परेशान करने के सम्बंध में, नगर निकाय/पंचायत चुनावों में परिसीमन व आरक्षण में हो रही गड़बड़ियों के संबंध में चर्चा की, महंगाई, बेरोजगारी और कानून-व्यवस्था पर सरकार की विफलता को लेकर विस्तृत चर्चा की।

इस मौके पर पूर्व सरपंच अर्जुन मोहनपुरिया, कांग्रेस कमेटी प्रवक्ता राकेश हलकारा, प्रवक्ता ओम प्रकाश बागड़ी, पूर्व उपसरपंच धर्मवीर असवाल हमीद खान, कैलाश धोबी, कैलाश गुर्जर, खेमचंद असवाल, रवि मीणा, सत्तार खान, पंकज मिश्रा, शशिकांत बेनीवाल, महेश जढ़वाल, ताराचंद बेनीवाल, मुनीर मनिहार, मनीष मालाकार सहित सैंकडो कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जिला प्रशासन के अधिकारियों ने वर्षा प्रभावित इलाकों का किया दौरा

- जर्जर भवनों, वर्षा से हुए नुकसान का लिया जायजा, आमजन से किया संवाद

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। लगातार हो रही बारिश के चलते शहर के कई इलाके प्रभावित हुए हैं। ऐसे में जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशों के अनुपालना में शुक्रवार को जिला प्रशासन की टीम ने वर्षा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर हालात का जायजा लिया। अधिकारियों ने निरीक्षण के दौरान जर्जर भवनों, जलभराव और अन्य बारिश जनित नुकसान की स्थिति का आकलन किया।

अतिरिक्त जिला कलक्टर उत्तर मुकेश कुमार मूंड ने जोरावर सिंह गेट, चांदी की टकसाल, सुभाष चौक, खोले के हनुमान जी, जयसिंहपुरा खोर सहित अन्य इलाकों में स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ने स्थानीय नागरिकों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित विभागों को तत्काल राहत पहुंचाने के निर्देश दिए। डूब क्षेत्र में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की अपील की गई है, साथ ही प्रशासन द्वारा अस्थायी राहत शिविरों की तैयारियों की समीक्षा भी की गई। उन्होंने कहा कि जनहित में प्रशासन सजग एवं सक्रिय है और आमजन से अपील करता है कि आवश्यकता पड़ने पर नजदीकी नियंत्रण कक्ष से संपर्क करें।

वहीं, अतिरिक्ति जिला कलक्टर जयपुर, दक्षिण संतोष कुमार

मीणा ने मालवीयनगर, सांगानेर, जगतपुरा इलाके में, उपखण्ड अधिकारी राजेश जाखड़ ने विद्याधर नगर एवं मुरलीपुरा जोन के इलाकों, उपखण्ड अधिकारी अरुण शर्मा ने मानसरोवर एवं झोटवाड़ा जोन, उपखण्ड अधिकारी दीपक खटाना ने आदर्श नगर जोन एवं सिविल लाइंस जोन के इलाकों में वर्षा जनित स्थितियों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों के साथ संबंधित नगर निगम के उपायुक्त भी मौके पर मौजूद रहे।

अधिकारियों ने लो लाइन एरिया, जर्जर भवनों एवं जलभराव वाली बस्तियों का दौरा किया। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वर्षा के दौरान जल निकासी व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाए तथा जहाँ आवश्यक हो वहाँ कीचड़ एवं जलभराव हटाने हेतु मड पंप तुरंत लगाए जाएँ। कमजोर एवं जर्जर भवनों की सूची तैयार कर वहां निवास कर रहे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर अस्थायी रूप से स्थानांतरित करने के निर्देश दिए गए हैं।

इसके अतिरिक्त, संभावित जोखिम वाले क्षेत्रों में मिट्टी के कट्टे (सैंडबैग) लगाए जाने के निर्देश दिए गए ताकि बारिश का पानी बस्तियों में प्रवेश न कर सके। नगर निकाय, पीएचईडी और आपदा प्रबंधन दल को आपसी समन्वय के साथ सतत निगरानी रखने एवं किसी भी आपात स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया देने को कहा गया है।

प्रशासनिक अधिकारियों ने निगम, पीडब्ल्यूडी और जलदाय विभाग सहित सभी संबंधित एजेंसियों को निर्देश दिए हैं कि वे समन्वय बनाकर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करें, ताकि नागरिकों को न्यूनतम असुविधा हो।

जयपुर ग्रामीण को मिला पहला आयुर्वेद नर्सिंग कॉलेज

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। श्री कृष्णा ग्रुप ऑफ एजुकेशन के अंतर्गत श्री कृष्णा नर्सिंग कॉलेज, मनोहरपुर को B.Sc. आयुष नर्सिंग एवं DAN&P (डिप्लोमा इन आयुष नर्सिंग एंड फार्मेसी) कोर्स की सरकारी मान्यता प्राप्त हुई है। इस मान्यता के साथ ही कॉलेज को जयपुर ग्रामीण का पहला आयुर्वेद नर्सिंग कॉलेज बनने का गौरव प्राप्त हुआ है।

इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल रहा। इस अवसर पर विद्यालय स्टाफ द्वारा संस्था निदेशक डॉ. राजेन्द्र यादव एवं सचिव रामकिशन यादव का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया तथा उन्हें इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर शुभकामनाएं दी गईं।

संस्था निदेशक डॉ. यादव ने इस अवसर पर कहा कि "यह मान्यता शिक्षा के क्षेत्र में श्री कृष्णा ग्रुप की प्रतिबद्धता और गुणवत्ता का प्रमाण है। हमारा उद्देश्य आयुर्वेद और स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में दक्ष एवं सेवाभावी नर्सिंग प्रोफेशनल्स तैयार करना है।"

विद्यालय स्टाफ ने इसे बाबा श्याम की कृपा, संस्था के नेतृत्व की दूरदर्शिता और सभी अभिभावकों व विद्यार्थियों के विश्वास का परिणाम बताया।

नगर निगम ग्रेटर शाखा की टीम ने 5 ट्रक सामान जब्त कर कार्यवाही की

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम ग्रेटर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देशानुसार उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार शर्मा के नेतृत्व में शुक्रवार को सतर्कता शाखा की टीम द्वारा नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में लालकोठी मण्डी, सेक्टर 35 प्रताप नगर, सेक्टर 8 प्रताप नगर कुम्भा मार्ग, मॉडल टाऊन जगतपुरा, गांधी पथ जयपुर मॉल के पास, निवारू रोड बैंक ऑफ बडौदा के सामने से अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया।

उपरोक्त कार्यवाही के दौरान 5 ट्रक सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाइश करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

जेडीए ने सड़क सीमा में आ रहे अतिक्रमण हटाए

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जोन-9 में सीतापुरा में षिव रेजीडेन्सी के पास रोड़ सीमा को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया।

उप महानिरीक्षक पुलिस, जविप्रा, जयपुर राहुल कोटोकी ने बताया कि जोन-09 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित सीतापुरा में षिव रेजीडेन्सी के पास अतिक्रमण कर गड्ढा खोदकर, लोहे का कन्टेनर लगाकर रास्ता अवरूद्ध किये जाने की सूचना प्राप्त होने पर जोन-09 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा क्रेन, जेसीबी मषीन व मजदूरों की सहायता से हटवाया जाकर रोड़ सीमा को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। गड्ढे को भरवाकर रोड़ को सूचारू किया गया।

उक्त कार्यवाही मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन आदर्ष चौधरी के पर्यवेक्षण में उपनियंत्रक प्रवर्तन-चतुर्थ, प्रवर्तन अधिकारी जोन-09 तथा प्राधिकरण में उपलब्ध जाप्ते, लेबरगार्ड एवं जोन में पदस्थापित राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा सम्पादित की गई।

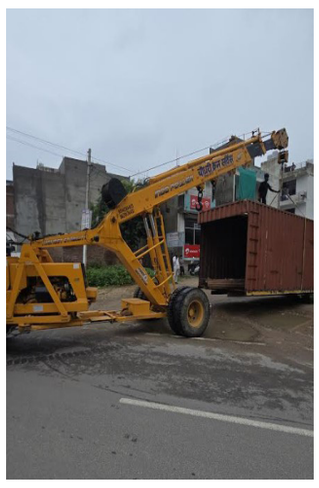

हज आवेदन की तारीख बढ़ाए जाने कि मांग

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। हज यात्रा 2026 पर जाने वाले हज यात्रियों के हज आवेदन भरने का काम इस बार 7 जुलाई से शुरू होगया है ओर आखरी तारीख 31 जुलाई 2025 रखी गई।

सेंट्रल हज कमेटी मुम्बई के द्वारा ऑनलाइन हज आवेदन करने कि तारीख बहुत ही जल्दी में शुरू की गई है ओर हज कमेटी की जिस साईड पर आवेदन करें जा रहे हैं वो साईड भी बार बार हेक हो जाती है ओर बहुत धीरे काम कर रही है जिसके कारण डॉक्यूमेंट अपलोड करने में टाइम लग रहा है। हाजी शाहिद मोहम्मद पुर्व सदस्य राजस्थान स्टेट हज कमेटी ने बताया कि अधिकतर हज यात्रियों के पासपोर्ट रिन्यू के लिए दिये हुए है। क्योंकि सेंट्रल हज कमेटी के द्वारा पासपोर्ट की वैलिडिटी तारीख 31 दिसम्बर 2026 तक रखी गई है ओर अधिकतर हज यात्रियों के पासपोर्ट सेंट्रल हज कमेटी द्वारा जारी गाईड लाईन के अनुसार दिसंबर से पहले खत्म हो रहे हैं। ओर इस कारण से पासपोर्ट रिन्यू के लिए दे रखे हैं। बगेर पासपोर्ट के आवेदन नहीं किया जा सकता है । राजस्थान हज ट्रेनर्स रिलीफ फाऊंडेशन के सभी ज़िम्मेदारो ने एक बेठक कर यह फेसला लिया गया कि सेंट्रल हज कमेटी मुम्बई के मुख्य अधिशासी अधिकारी से भी हज आवेदन करने की तारीख बढ़ाई जाने की मांग की जाये।

मौसमी बीमारियों से बचाव हेतु नगर निगम ग्रेटर की टीमों द्वारा कि जा रही फोगिंग, एंटीलारवा

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम ग्रेटर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देशानुसार मलेरिया शाखा द्वारा सम्पूर्ण ग्रेटर क्षेत्र के 150 वार्डो में मौसमी बीमारियों मलेरिया, डेंगू एवं चिकनगुनिया की रोकथाम हेतु तत्परता से फोगिंग कार्य 06 व्हीकल माउन्टेड 08 पोर्टेबल फोगिंग मशीन द्वारा करवाया जा रहा है। इसके साथ कीटनाशक छिडकाव कार्य एवं रूके हुऐ पानी में एन्टीलारवा एक्टीविटिज का कार्य प्रभावी रूप से नियमित करवाया जा रहा है। मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रश्मि कांकरिया ने बताया कि नियमित फोगिंग कार्य वार्डो, जोनो के प्रोग्रामानुसार दो पारियों (प्रातः एवं सांय काल) में प्रतिदिन 08 वार्डो में करवायी जा रही है इसके अतिरिक्त वार्ड के जनप्रतिनिधियों की मांग अनुसार प्रतिदिन 03 से 04 वार्डो में भी फोगिंग एवं रूके हुऐ पानी में एन्टीलारवा एक्टीविटिज का कार्य किया जा रहा है। फोगिंग प्रोग्राम का प्रथम चरण 15 जुलाई 2025 से प्रारम्भ करवा दिया गया था जिसके अनुसार 01 अगस्त 2025 (प्रातः काल) तक 117 वार्डो में फोगिंग कार्य तथा साथ ही उक्त सभी वार्डो में फोगिंग के साथ-साथ 1081 जगहो (पॉईंट्स) पर एंटीलारवा एक्टीविटिज,

कीटनाशक दवाओं का छिडकाव कार्य, वार्डो के गंदे स्थानों एवं नालों में जला हुआ ऑयल, फिनाईल व टेमाफास का छिडकाव करवाया जा चुका है फोगिंग का प्रथम चरण 05 अगस्त 2025 तक चालू रहेगा। इसके लिए मलेरिया शाखा मानसून से पूर्व ही सभी तैयारिया पूरी कर कार्य में जुट चुकी थी।

उन्होंने बताया कि वार्ड प्रोग्राम के अतिरिक्त कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर प्रथम, द्वितीय से प्राप्त मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया की सूची, कॉल सेंटर, राजस्थान सम्पर्क पोर्टल, वी.आई.पी तामिल तथा दूरभाष पर प्राप्त शिकायतों के अनुरूप आमजन से दूरभाष पर सम्पर्क कर प्रतिदिन 40-50 शिकायतों का निस्तारण फोगिंग कार्य एवं कीटनाशक दवाओं का छिडकाव करवाया जा रहा है साथ ही जहॉ मच्छरो का घनत्व अधिक है जैसे शहर की कच्ची बस्तीया, द्रव्यवती नदी, शहर के बडे नालों में भी विशेष तौर पर फोगिंग, एन्टीलारवा एक्टीविटिज, कीटनाशक छिडकाव कार्य करवाया जा रहा है। इन सभी कार्यो के साथ-साथ शहर के छोटे-बडे कचरागाहों, कचरा ट्रांसफर स्टेशनों एवं बडे नालो पर 02 वाटर टैंकरो की सहायता से नियमित कीटनाशक दवाओं का छिडकाव करवाया जा रहा है।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए

टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912

कचरा गाड़ी के लिए

ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420

पुलिस की मदद के लिए

साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए

जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400

मेडिकल इमरजेंसी के लिए

एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771

घायल पशुओं के लिए

नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

चौमूं के निकटवर्ती देवलीया से राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय प्रधानाध्यापक पद से सेवा सेवानिवृत्त हुए

चौमूं, (रॉयल पत्रिका)। देवलीया (हरसोली) के स्थित के मैलो कृषि फार्म के के निवासी रामकिशोर मेला प्रधानाध्यापक ने हरसोली एवं राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय चारणवास, मूंडियागढ़ में 25 वर्ष अपनी सेवा दी। आज किस गांव से बड़ी धूमधाम के साथ से भव्य स्वागत पुष्पा वर्षा कर के स्वागत ग्रामीणों एवंम रिश्तेदारों द्वारा जोर-शोर से स्वागत अभिनंदन समारोह आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि में सी बी ईईओ जगदीश प्रसाद मीणा रहे। मीणा ने मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कहा कि रामकिशोर यादव प्रधानाध्यापक पद पर रहकर आसपास की विद्यालयो अपने अपने गांव के पास ही हरसोली चारणवास मूंडियागढ़ लगभग 20 - 25 वर्ष निकालना बहुत ही मुश्किल है लेकिन अच्छी अपने कर्म की सेवा देने पर आम पब्लिक भी इसे जुड़ जाती है इन्होंने ईमानदारी से अच्छी सेवा करने पर और ग्रामीणों का सहयोग ग्रामीण से को मिलजुल रहने से प्रधानाध्यापक यादव को मेरी ओर से बार-बार धन्यवाद वी सरधुवा देता हूं। इस कार्यक्रम अध्यक्षता स्थानीय प्रधान ध्यापक रामकंवार रेवाड तथा एसीबी ईईओ सुरजन सिंह यादव ने भी संबोधित करते हुए कहा कि मजबूती,ईमानदारी, कर्तव्य निष्ठाता पर रहकर देश की सेवा करने पर काम किया ऐसे महान यादव जी हर कदम पर अपनी जैसे शिष्यों की फौजी बनने रहेंगे और उन्हें मार्गदर्शन करने का काम करेंगे। जयपुर जिला यादव समाज के मीडिया प्रभारी भगवान सहाय यादव, अध्यापक राजीव लोछप, पूर्व सरपंच जनप्रतिनिधि मोहन वर्मा, गोपाल मेहता, डॉक्टर सुरेंद्र यादव, लक्ष्मी नारायण, महेश कुमार खातोदिया, डॉ. दुर्गा प्रसाद यादव, पूर्व सरपंच मूल चन्द रैगर मंडा-भिण्डा से रामकरण यादव व उनकी टीम सहित व शिक्षक प्रकाश चन्द, कालूराम, रामप्रसाद रामप्रसाद सहित सैकड़ो महिलाएं ग्रामीण उपस्थित होकर इस कार्यक्रम में पहुंचकर आशीर्वाद प्रदान किया।

चौमूं के श्याम सलोना सेवा समिति ने वीर हनुमान गौशाला को समर्पित की दसवीं चारे की गाड़ी

चौमूं, (रॉयल पत्रिका)। चौमूं के ही श्याम सलोना सेवा समिति, के द्वारा गौ सेवा महाअभियान के अंतर्गत दसवीं चारे की गाड़ी वीर हनुमान गौशाला, नांगल में भिजवाई गई। यह समिति द्वारा गौसेवा दसवां सहयोग है, जिसे भविष्य में और अधिक व्यापक रूप से बढ़ाया जाएगा। इस अवसर पर समिति के कई सदस्य, समाजसेवी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। वीर हनुमान गौशाला के पदाधिकारी दीनदयाल पारीक, अखिल भारतीय युवा अग्रवाल, सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री राजेश अग्रवाल, व्यापार मंडल अध्यक्ष पवन कुमार सैनी, लक्ष्मी नाथ सेवा समिति के अध्यक्ष अनिल कुमार शर्मा, संस्था के कमल अग्रवाल, अनिल दुसाद मनीष कुमार गोयल, मुकेश , कानाराम थावरिया, मुकेश जांगिड़, कमलेश गरड़, दिनेश अग्रवाल, विनोद पारीक, प्रियांशु झालानी, नगीन कासलीवाल, आशीष सहित कई गणमान्य व्यक्ति कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। संस्था के पदाधिकारी अनिल दुसाध एवं मनीष गोयल ने जानकारी दी कि समिति का उद्देश्य प्रत्येक ज़रूरतमंद गौशाला तक समय-समय पर चारा व अन्य आवश्यक संसाधन पहुँचाना है, ताकि गौमाताओं को उचित देखभाल व पोषण मिल सके।

विधायक हरलाल सहारण ने चूरू मुख्यालय पर बरसात के बाद जल भराव होने वाले क्षेत्रो का किया निरिक्षण

-स्थानीय नागरिको ने पानी निकासी की व्यवस्थाओं पर जताया आभार

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर विधायक हरलाल सहारण ने पिछले कई घंटो से लगातार हो रही बरसात के बाद चूरू मुख्यालय पर गाजसर गिनाणी, जोहरी सागर एव ताजुशाह तकिया क्षेत्र सहित कई गलीयों में जल भराव क्षेत्रो का दौरा कर निरिक्षण किया एवम् व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस अवसर पर उन्होने स्थानीय लोगो से बातचीत कर समस्या के बारे में जाना। जिस पर स्थानीय लोगो ने सरकार का आभार जताते हुऐ कहा कि बरसात होने के कुछ धंटो में पानी की निकासी हो रही है। कुछ वर्षो पूर्व जहां बरसात के पश्चात कई दिनो तक मार्गो पर बरसात का पानी दिखाई देता था वही अब पूर्व नेताप्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ एवम् विधायक हरलाल सहारण के प्रयासो से पानी की निकासी चंद घंटो में ही हो रही है स्थानीय नागरिको ने आभार जताते हुऐ कहा कि इस पानी की निकासी से वे राहत का अनुभव कर रहे है और हमारे जनप्रतिनिधियों का आभार जता रहे है क्यों कि वर्तमान समय में भारी बरसात के बावजूद पानी इकट्ठा होने की समस्या से निजात मिल रही है। इस अवसर पर विधायक हरलाल सहारण ने स्थानीय लोगो से बातचीत करते हुऐ कहा कि सरकार और प्रशासन उनकी समस्याओं का स्थाई समाधान ढ़ुढने के लिए प्रयास कर रही है। आने वाले समय में इस समस्या के स्थाई समाधान हेतु कार्य योजना बनाई जायेगी। विधायक हरलाल सहारण ने कहा कि आज हमने गाजसर स्थित गिनाणी, जोहरी सागर क्षेत्र में लगे हुऐ पम्पो एवम् वार्ड नं. 30 स्थित ताजुशाह तकिया क्षेत्र एवम् नेहरू युवा केन्द्र के पास वाली गलीयों का निरिक्षण कर समस्याओं को जाना जहां पर आमजन ने प्रशासन द्वारा किये गये कार्यो पर संतोष व्यक्त किया। इस अवसर पर विधायक हरलाल सहारण के निर्देश पर जेटींग मशीन के द्वारा ब्लोकेज निकालकर कुछ क्षेत्रो में रूके हुऐ पानी की निकासी का भी प्रयास किया जा रहा है। इस अवसर प्रदेश मंत्री डॉ वासुदेव चावला, जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा, जिला महामंत्री अभिषेक चोटिया, मण्डल अध्यक्ष, धर्मेन्द्र राकसिया , सुरेश सारस्वत, नेताप्रतिपक्ष विमला गढ़वाल, सुनील ढाका, कैलाश डुडी मनोज शर्मा सहित अनेक वार्डवासी, स्थानीय नागरिक एवम् अधिकारी उपस्थित रहे ।

सड़क पर बेसहारा गौवंश हटाने की कार्यवाही जारी

-आमजन से सहयोग की अपील

पाली, (रॉयल पत्रिका)। जिला कलेक्टर एवं निगम प्रशासक लक्ष्मीनारायण मंत्री तथा आयुक्त नवीन भारद्वाज के निर्देशानुसार नगर निगम द्वारा शहर में आवारा गौवंशों की रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। सड़कों पर घूम रहे बेसहारा मवेशियों से होने वाली दुर्घटनाओं से बचाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है।

निगम की सीएसआई द्वारा बीते तीन दिनों से लगातार चलाए जा रहे इस अभियान के तहत सुमेरपुर रोड, मस्तान बाबा, न्यू बस स्टैंड, रोटरी क्लब (सोजत रोड), मुख्य सूरजपोल, बांगड़ अस्पताल, अंबेडकर सर्किल और व्यास सर्किल जैसे प्रमुख स्थानों से कुल 30 नंदियों को पकड़कर श्री पिंजरा पोल गौशाला, खातीखेड़ा (पाली) में सुरक्षित छोड़ा गया।

स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा आमजन से अपील की गई है कि वे अपने निजी गौवंश को खुले में न छोड़ें और उन्हें उचित बाड़े में ही रखें। साथ ही, सड़कों पर पशुओं के कारण होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए नगर निगम के इस प्रयास में पूर्ण सहयोग प्रदान करें, जिससे शहर में मानव और पशु दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

हजरत दीवाना शाह के तीन दिवसीय उर्स महफ़िल शमां के साथ शुरू

मोहम्मद यासीन

कपासन, (रॉयल पत्रिका)। प्रख्यात सूफी संत हज़रत दीवाना शाह साहब र.अ. के 84वें तीन रोजा उर्स का हज़रत ख्वाज़ा गरीब नवाज़ र.अ. की छठी शरीफ की महफिल से हुआ आगाज़। हजारो लोगो ने की जुम्आ की नमाज़ अदा। दरगाह वक्फ कमेटी के सैक्रेट्री मोहम्मद अब्बास अशरफी के अनुसार बाबा हुजूर का 84वां तीन दिवसीय उर्स का आगाज 01 अगस्त, शुक्रवार प्रातः 09 बजे शाही महफिल खाने मे हज़रत ख्वाजा गरीब नवाज र.अ. की छठी शरीफ की महफिल से हुवा। औलिया मस्जिद के पेश ईमाम मौलाना अंसारूल हक के तिलावते कलाम के बाद हाजी मोहम्मद सईद अंसारी की दीवाना मीलाद पार्टी ने महफिले मीलाद स.अ. व. पढी, सलातो सलाम व हाफिजो, कारी शाकीर अशरफी ने फातिहा पढ़ी। इसके बाद राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश के 35 कव्वाल पार्टीयो ने बारी-बारी से सुफियाना कलाम पेश किए, प्रातः राज बैण्ड उदयपुर ने अपने अंदाज मे सलामी दी। शादियाने बजाये गये। भीलवाडा, गगरार, जावद व स्थानीय हुसैनी बैण्ड ने सलामी पेश की। उर्स शुरू होने के साथ ही जायरीन के दर्शन करने और चादर पेश करने का सिलसिला शुरू हो गया। उर्स के दौरान दरगाह परिसर मे अस्थाई पुलिस चोकी, स्वास्थ्य विभाग की ओर से डिस्पेंसरी भी लगाई गई है। पलिस प्रशासन की ओर से तीन थानो के थानाधिकारी सहित पुलिस लाइन से भी जाप्ता तैनात किया गया है। फायर ब्रिगेड की गाडी 24 घंण्टे तैनात रहेगी। मेला ग्राउण्ड मे 700 से उपर दुकाने, डोलर, झूला, चकरी आदि लग चूके है। दरगाह वक्फ कमेटी की जानिब से 100 सिक्यूरिटी गार्ड, 150 स्वंय सेवक ने आस्ताना ए आलिया के अन्दर व बाहर अपनी सेवाऐ शुरू कर दी। लंगरखाना मे दोनो वक्त लंगर तकसीम होना शुरू हो गया है। पूरे दरगाह परिसर मे टेन्ट, लाईट, सजावट हो चूंकी है। जायरीने दीवाना के लिये छाया-पानी व अन्य सुविधाओं की माकूल व्यवस्था कर दी गई है। दरगाह वक्फ कमेटी के सदर अनवर अहमद छीपा के अनुसार शनिवार बाद नमाज़े ईशा के महफिले मीलाद के बाद कव्वाल हज़रात अपने-अपने कलाम पेश करेगे। रविवार प्रातः देग का खाना तकसीम होगा। 8 बजे कुल की महफिल शुरू होगी। जोहर की अजान से पहले कुल की फातिहा व छींटे के साथ ही उर्स सम्पन्न होगा। सोमवार को मुख्य मज़ार के पट आम जायरीन के दीदार हेतु खोले जायेगें। गुरूवार सांयकाल चित्तौड़गढ़ जिला की ऐडिशनल एस.पी. सरिता सिंह ने पुरी दरगाह परिसर का अवलोकन कर दरगाह पदाधिकारियो को सुरक्षा हेतु दिशा निर्देश दिए। दरगाह वक्फ कमेटी के नायब सदर हाजी मुबारिक शैख, सदस्य सैयद अख्तर अली बुखारी, अशफाक तुर्किया, इरफान सिलावट, वाहिद अशरफी, असलम शैख ने स्वागत कर शॉल ओढाकर श्रीफल भेंट किया। आस्ताना ए आलिया मे इस मौके पर डी.वाई.एस.पी. हरजी लाल यादव, सी.आई. रतन सिंह मौजूद थे।

जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने तारानगर उपखंड पर बरसात के दौरान जल भराव क्षेत्रों का किया निरीक्षण

-देखी व्यवस्थाएं, अधिकारियों को दिए निर्देश

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने जिले के तारानगर उपखंड मुख्यालय पर बरसात के दौरान हुए जल भराव की स्थितियों का जायजा लिया व अधिकारियों को समुचित निर्देश दिए। जल भराव क्षेत्रों का अवलोकन करते हुए जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने कहा कि जल भराव के निस्तारण के लिए संसाधनों का बेहतरीन प्रबंधन करें। पानी भराव क्षेत्रों में जल निकासी हेतु पर्याप्त पंप, मोटरें आदि लगाएं तथा शीघ्र पानी निकास सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी, कर्मचारी मुस्तैद रहें। आमजन से किसी भी माध्यम से जल भराव की सूचना प्राप्त होने पर यथाशीघ्र आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। फील्ड स्तरीय टीम ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतरीन प्रबंधन के साथ काम करें। विकास अधिकारी, तहसीलदार ग्रामीण क्षेत्रों में जल भराव समस्या के निस्तारण के लिए समुचित मॉनीटरिंग करें। जिला कलक्टर ने तारानगर उपखंड मुख्यालय पर वार्ड नंबर 2, 3 व बस स्टैण्ड के पीछे एसटीपी, श्मशान भूमि की क्षतिग्रस्त दीवार, राउमावि, अंबेडकर सर्किल आदि स्थानों पर जल भराव का अवलोकन किया तथा अधिकारियों को समुचित निर्देश दिए। एसडीएम राजेन्द्र कुमार ने व्यवस्थाओं की जानकारी दी। इस दौरान तहसीलदार महेन्द्र गहलोत, बीडीओ अशोक कुमार, ईओ अजय प्रताप सिंह, राकेश जांगिड़ सहित आमजन मौजूद रहे।

श्रावण महोत्सव आयोजन भव्य बनाने को लेकर बैठक

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर आगामी 4 अगस्त को श्रावण के अंतिम सोमवार के अवसर पर श्रावण महोत्सव के तहत शिव भक्त मंडल की ओर से भगवान शिव का बर्फ की रंगीन सिल्लियों से किए जाने वाले श्रृंगार व भव्य झांकी के आयोजन को लेकर बजाज निवास में महेश बावलिया की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में श्रृंगार व झांकी आयोजन के साथ विभिन्न क्षेत्रों में किए गए सराहनीय कार्यों के लिए नगर की प्रतिभाओ का सम्मान करने का निर्णय लिया गया। साथ ही शहर के मुख्य मार्गों पर स्वागत द्वार बनाए जाने का प्रस्ताव भी लिया गया। मंडल के अध्यक्ष रतन बजाज ने बताया कि प्रसिद्ध समाज सेवी योगेश गौड़ की अध्यक्षता में होने वाले इस आयोजन में वरिष्ठ संगीतज्ञ डॉ.श्याम सुन्दर शर्मा, प्रसिद्ध होम्योपैथी डॉ. सुरेंद्र शर्मा, वरिष्ठ मेडिसिन डॉ. प्रमोद बाजोरिया, डॉ. नितीश तोषान, आदर्श शिक्षक रविन्द्र शर्मा, संगीतज्ञ नारायण शर्मा, सुरेश गोटेवाला, शिव गोयनका सहित सामाजिक सरोकारों में सराहनीय सेवा के लिए महेश बावलिया, रवि दाधीच, सुशील बजाज, जगदीश सराफ, बालकृष्ण बंसिया, के.पी. जोशी, एडवोकेट पवन शर्मा,योगेश मोदी, गौरीशंकर बाबू पाटिल सहित अन्य प्रतिभाओं का भी सम्मान किया जाएगा। शिव भक्त मंडल की संगीता बजाज ने बताया कि शिवलिंग की भव्य झांकी सजाई जाएगी जो समारोह का मुख्य आकर्षण होगी। बैठक का संचालन रवि दाधीच ने किया।

कांग्रेसजनों ने हकीम भाई के अध्यक्ष बनने पर आतिशबाजी कर निकाला जुलूस

पाली (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा नवनियुक्त शहर कांग्रेस अध्यक्ष हकीम भाई का सूरजपोल पर शहर कांग्रेसजनों द्वारा शानदार स्वागत एवं आतिशबाजी कर जुलूस के रूप में कांग्रेस भवन में पहुँचकर कर बैठक कर कार्यकताओं ने जताया शीर्ष नेतृत्व का आभार।

पाली शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष नियुक्त होने पर सूरजपोल पर कांग्रेस जनों द्वारा हकीम भाई का स्वागत हुआ। इस दौरान हकीम भाई ने पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया तत्पश्चात कांग्रेसजनों ने जुलूस के रूप में सूरजपोल से दुपहिया वाहनों से कांग्रेस भवन पहुँचे।

इस मौके राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा और पाली विधायक भीमराज भाटी का आभार जताया। इसके पश्चात कांग्रेस भवन में राजीव गाँधी की मूर्ति पर माल्यार्पण कर सभा के रूप में सभी कांग्रेसजनों को संबोधित कर सभी का आभार व्यक्त किया।

इस मौके पर पाली जिला के अध्यक्ष अजीज दर्द, पूर्व सभापति प्रदीप हिंगड, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष मेहबूब टी, राजीव गाँधी पंचायती राज जिलाध्यक्ष मदन सिंह जागरवाल, यशपाल सिंह कुम्पावत, मांगू सिंह दुदावत, रामचन्द्र बुनकर, चेलाराम राबबड़ा, नीलम बिरला, ओबीसी कॉग्रेस अध्यक्ष गोविंद बंजारा, प्रकाश सांखला, शकील नागौरी, हसन भाटी, गोरधन देवासी, रफीक चौहान, लक्ष्मण कच्छवहा, रोहित, इंसाफ घोसी, पूरण आर्य, एनएसयूआई अध्यक्ष विजय जोशी, मोनू मेघवाल, महावीर कटारिया, दिलीप ओड, विनोद मोदी, भेराराम गुर्जर, प्रकाश चौहान, डॉ.रमेश कुमार चावला, ताराचंद चन्दनानी, मुकेश देवासी, शकील नागौरी के साथ सेकडों कांग्रेसजनों ने हकीम भाई का साफा और माला पहना कर स्वागत किया।

यादव महासभा की कार्यकारिणी का विस्तार

-मालीराम यादव बने जिला देहात के उपाध्यक्ष

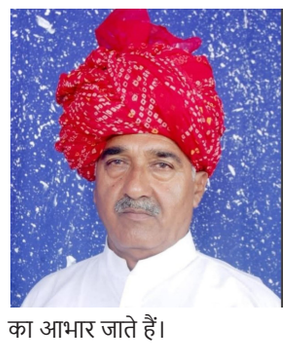

चौमूं, (रॉयल पत्रिका)। जयपुर जिला देहात यादव महासभा के अध्यक्ष डॉक्टर जगदीश प्रसाद यादव ने जिला कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए ग्राम पंचायत मण्डा- भिण्डा के निवासी रिटायर्ड मैनेजर मालीराम यादव को जयपुर जिला देहात यादव महासभा के उपाध्यक्ष नियुक्ति पर समाज के के लोगों में खुशी की लहर है। वही यादव समाज के उच्च अधिकारियों का आभार जाते हैं।

हकीम भाई पाली शहर, पीराराम पटेल राणा रोहट ब्लॉक के अध्यक्ष बने

मोहम्मद यासीन

पाली, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने गुरुवार को पाली शहर ब्लॉक कांग्रेस के अध्यक्ष पद पर नगर निगम के पूर्व नेता प्रतिपक्ष हकीम भाई को पाली शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष पद पर एवं रोहट ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पद पर पीराराम पटेल राणा को आदेश जारी कर अध्यक्षों की नियुक्ति दी गई। विधायक प्रतिनिधि मदनसिंह जागरवाल ने बताया कि पाली शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पद पर हकीम भाई जो पूर्व में नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष एवं वर्तमान में मुस्लिम समाज के सदर है इसी प्रकार पीराराम पटेल राणा जो पूर्व जिला परिषद सदस्य, पूर्व जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष, पाली सेन्ट्रल को-ऑपरेटिव बैंक के पूर्व उपाध्यक्ष पद पर रह चुके है। पाली विधानसभा क्षेत्र के दोनों ब्लॉकों में एक अनुभवी कांग्रेस कार्यकर्ता को मौका मिला है जिससे कांग्रेस और अधिक सक्रिय होने पर पार्टी को लाभ होगा।

हर घर तिरंगा अभियान के संयोजक व सहसंयोजक नियुक्त

पाली (रॉयल पत्रिका)। भारतीय जनता पार्टी पाली केन्द्रीय व प्रदेश व जिला नेतृत्व के निर्देशानुसार हर घर तिरंगा अभियान व विभाजन विभिषिका कार्यक्रम के संयोजक व सहसंयोजक बनाये गये दिग्विजयसिंह राठोर संयोजक व तिलोक चौधरी सहसंयोजक व सजय बोहरा सहसंयोजक बनाये गये हर घर तिरंगा अभियान को लेकर प्रत्येक बुथ से लेकर जिला स्तर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे व विभाजन विभिषिका पर जिले भर में मंडल स्थर पर संगोष्ठी आयोजित की जाएगी।

आठ वर्षीय बच्चा अदनान 11000 वाट लाइन से करंट लगने से बाल-बाल बच्चा

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर कृषि मंडी के पीछे बादशाह कॉलोनी में एक बच्चा अपनी छत पर पतंग के चक्कर में घर के नजदीक से गुजर रही बिजली की 11000 हजार वाट की विद्दुत विभाग की लाइन से करंट लगने से बाल-बाल बच गया और मौके पर ही बेहोश हो गया पिता युसुफ खां सामदखानी ने बताया कि मेरा लड़का अदनान उम्र 8 वर्ष है। शाम को 4 बजे छत पर गया घर के पास से 11000 हजार की लाइन के तार भी खुले हुये है वह पतंग की डोर खिंच रहा था कि उसको करंट लग गया और बेहोश हो गया तुरंत हम परिजन राजकीय भरतीया अस्पताल लेकर पहुंचे इलाज चल रहा है। इस पहले भी मेरे बड़े भाई इब्राहिम खान के साथ ऐसा ही हादसा हुआ था। तब हमने बिजली विभाग के कर्मचारियों को काफ़ी बार बोला ओर लिखित में भी शिकायत की लेकिन आज तक कोई सुनाई नहीं हुई है। नहीं होने की वजह से आज दुसरा हादसा हुआ है मौके पे लोग एवं परिजन मौजद थे। अन्यथा बड़ा हादसा हो जाता। इब्राहीम खां, असगर खां, अयूब खां, सतार खां, नौशाद खां, शेर मोहम्मद खां, राजा खां आदि लेकर अस्पताल पहुंचे। इलाज अभी जारी है ट्रॉमा सेंटर में भर्ती है।

कक्षा 5वीं व 8वीं पूरक परीक्षाएं 4 अगस्त से, जिले में 7 परीक्षा केंद्र स्थापित

-प्रवेश पत्र 1 अगस्त से संबंधित परीक्षा केंद्रों से किए जाएंगे वितरित

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। शिक्षा विभागीय परीक्षाएं, राजस्थान बीकानेर के निर्देशानुसार प्रारंभिक शिक्षा पूर्णता प्रमाण पत्र परीक्षा (कक्षा 8वीं) एवं प्राथमिक शिक्षा अधिगम स्तर मूल्यांकन (कक्षा 5वीं) वर्ष 2025 की पूरक परीक्षाएं 4 से 11 अगस्त, 2025 तक प्रातः 8 बजे से 10:30 बजे तक ब्लॉक स्तर पर आयोजित की जाएंगी।

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के प्राचार्य ने बताया कि कक्षा 8वीं परीक्षा 4 अगस्त को अंग्रेजी, 5 अगस्त को हिन्दी, 6 अगस्त को विज्ञान, 7 अगस्त को गणित, 8 अगस्त को सामाजिक विज्ञान एवं 11 अगस्त को तृतीय भाषा संस्कृत, उर्दू, गुजराती, सिन्धी, पंजाबी, संस्कृतम् विषय तथा कक्षा 5 की परीक्षा 4 अगस्त को अंग्रेजी, 5 अगस्त को हिन्दी, 6 अगस्त को पर्यावरण अध्ययन, 7 अगस्त को गणित एवं 8 अगस्त को विशेष विषय (संस्कृत, उर्दू, सिन्धी) आयोजित होंगी।

उन्होंने बताया कि जिले में कुल 7 परीक्षा केंद्र निर्धारित किए गए हैं, जिनमें पीएमश्री राउमावि पिपलाई (बामनवास), राउमावि बौंली, महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय मलारना डूंगर, राउमावि चौथ का बरवाड़ा, राबाउमावि गंगापुर सिटी, राउमावि खंडार एवं राउमावि मानटाउन (सवाई माधोपुर) शामिल हैं। संबंधित विद्यालय पूरक परीक्षार्थियों के प्रवेश पत्र परीक्षा केन्द्रों से प्राप्त कर विद्यार्थियों को वितरित कर संबंधित विषय में परीक्षा दिलवाना सुनिश्चित करें।

अजमेर उत्तर के जर्जर स्कूल भवनों के लिए 50 लाख रूपए की घोषणा

-देवनानी ने ली उत्तर क्षेत्र के प्राचार्यों की बैठक बच्चों की सुरक्षा, पढ़ाई और शिक्षा की गुणवत्ता के साथ लापरवाही बर्दाश्त नहीं

अजमेर, (रॉयल पत्रिका)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने स्कूल प्राचार्यों को निर्देश दिए हैं कि वे स्कूलों से निकलें, अभिभावकों से मिलें, नामांकन बढ़ाएं। स्कूलों में सुधार, निर्माण व मरम्मत के लिए राज्य सरकार पूरी गंभीरता से प्रयास कर रही है। स्कूल प्रबंधन भी भामाशाहों को प्रेरित करे। स्कूलों, बच्चों की सुरक्षा और शिक्षा की गुणवत्ता से किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने उत्तर क्षेत्र के जर्जर स्कूलों की मरम्मत के लए 50 लाख रूप्ए विधायक कोष से देने की घोषणा की। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की अध्यक्षता में गुरुवार को माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के सभागार में अजमेर उत्तर विधानसभा क्षेत्र राजकीय विद्यालयों के प्रधानाचार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र विद्यालयों के भवनों की भौतिक स्थिति, शैक्षणिक गुणवत्ता, नामांकन, स्मार्ट क्लास, व्यावसायिक शिक्षा, मिड डे मील, भवनों की मरम्मत जैसे विषयों की समीक्षा की गई। देवनानी ने कहा कि विद्यालयों के मरम्मत योग्य भवनों की मरम्मत सहित अन्य सुविधाओं की पूर्ति के लिए विधायक कोष से 50 लाख रुपए के व्यय से निर्माण कार्य करवाए जाएँगे। उन्होंने निर्देश दिए कि एसडीएमसी और एडीपीसी द्वारा विद्यालयों के भौतिक सत्यापन कर मरम्मत योग्य भवनों की सूची तैयार की जाए। देवनानी ने स्पष्ट कहा कि यदि भविष्य में किसी भवन में दुर्घटना होती है तो संबंधित अभियंता एवं प्रधानाचार्य को जिम्मेदार माना जाएगा। पट्टी कटला स्थित अत्यधिक जर्जर भवन को तुरंत गिराकर नई योजना प्रस्तावित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही कोटडा स्थित राजकीय विद्यालय की समस्या का शीघ्र समाधान करने के निर्देश दिए। विधानसभा अध्यक्ष ने पिछले तीन वर्षों के परीक्षा परिणामों की स्थिति, कक्षा-वार बोर्ड परिणामों की तुलना, अच्छे अंक प्राप्त करने वाले छात्रों की प्रगति तथा कमजोर छात्रों के लिए रेमेडियल क्लासेस की नियमित व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने विद्यालयों में नियमित सह-पाठ्यक्रम गतिविधियाँ संचालित करने तथा व्यावसायिक शिक्षा की उपयोगिता बढ़ाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि प्राचार्य और शिक्षक स्कूल तक ही सीमित ना रहें। बाहर निकलें, अभिभावकों और भामाशाहों से संपर्क करें। स्कूल को आदर्श शिक्षण संस्थान बनाने के लिए अपना सम्पूर्ण योगदान दें। उन्होंने शिक्षकों की स्थिति पर चर्चा करते हुए रिक्त पदों की सूचना तुरंत भिजवाने के निर्देश दिए। साथ ही शिक्षकों के लिए नियमित विषयवार प्रशिक्षण की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। मिड डे मील की गुणवत्ता, गणवेश वितरण, पाठ्यपुस्तकें वितरण की स्थिति की समीक्षा करते हुए उन्होंने योजनाओं को बच्चों के हित में समय पर लागू करने के निर्देश दिए। देवनानी ने विद्यालयों के नामांकन की स्थिति की समीक्षा की और नामांकन बढ़ाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि लंबे समय से अनुपस्थित छात्रों के अभिभावकों से व्यक्तिगत संपर्क कर बच्चों की वापसी सुनिश्चित की जाए। विद्यालय के शिक्षक घर घर जाकर प्रेरणा अभियान के तहत प्रवेश बढ़ाने का कार्य करें। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में विद्यालय प्रबंध समिति की नियमित बैठकें हों और उनमें लिए गए निर्णयों की पालन की स्थिति पर रिपोर्ट तैयार हो।

खरीफ की फसलों में कातरा कीट के प्रकोप: कृषि विभाग द्वारा नियंत्रण संबंधी विस्तृत एडवाइजरी जारी

-प्रकाश पाश क्रिया व रासायन से करें नियंत्रण

बीकानेर, (रॉयल पत्रिका)। जिले में खरीफ फसल ग्वार, बाजार, मोठ, मुंगफली इत्यादि में कहीं-कहीं कातरा के प्रकोप की सूचना प्राप्त होने पर कृषि विभाग द्वारा सर्वे कर कातरा के प्रकोप का स्तर जान तत्काल नुकसान क्षेत्र का सघन निरीक्षण कर किसानों को नियंत्रण उपाय सुझाए हैं। संयुक्त निदेशक कृषि कैलाश चौधरी ने बताया कि कई जगह कातरा का प्रकोप आर्थिक हानि स्तर से ऊपर पाया है। जिले में श्रीडूंगरगढ़, नोखा, पांचू, कोलायत के खेतों में कातरा का प्रकोप बिखरे हुए क्षेत्र में नजर आया है। कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक कृषि कैलाश चौधरी के अनुसार कातरा कीट के पतंगे वर्षा ऋतु की शुरुआत में विशेष रूप से पहली अच्छी वर्षा के बाद जमीन से निकलते हैं और प्रकाश की ओर आकर्षित होते हैं। कातरा कीट खरीफ फसलों में मोठ, मूंग, बाजरा, ग्वार, तिल की फसलों के लिए नुकसानदायक है। मादा कीट एक बार में 600 से 7सौ अंडे देती है, जिनसे 2 से 3 दिन में लटें निकल आती हैं। मादा पतंगें पत्तियों की निचली सतह पर अंडे देती हैं, जो पीले रंग के होते हैं और पोस्त के बीज जैसे दिखते हैं। इन अंडों से सूंडियां या लार्वा या लटें निकलती हैं, जो पौधों की पत्तियों को खाती हैं। इसके अलावा इसकी लटें कीड़े के बच्चे फसलों की पत्तियों को कुतरकर नष्ट कर देती है, जिससे पौधे सूखकर मर जाते हैं।

नियंत्रण हेतु उपाय

सहायक निदेशक उद्यान मुकेश गहलोत ने बताया कि मानसून की शुरुआत में कातरे के पतंगे जमीन से निकलते हैं। खरीफ की फसलों को खासतौर से दलहनी फसलों में कातरे का प्रकोप होता हैं। इस कीट की लट वाली अवस्था नुकसान करती है। जोन । सी की खरीफ फसल पैकेज आफ प्रैक्टिसेज के अनुसार कातरे का नियंत्रण निम्न प्रकार कर सकते हैं। कातरे के पंतगों का नियन्त्रण मानसून की वर्षा होते ही कातरे के पतंगों का जमीन से निकलना शुरू हो जाता है। इन पतंगों को नष्ट कर दिया जाये तो फसलों में कातरे की लट का प्रकोप बहुत कम हो जाता है, इसकी रोकथाम प्रकाश पाश क्रिया से संभव है। पतंगों को प्रकाश की ओर आकर्षित करें। खेत की मेड़ों, चारागाहों व खेतों में गैस, लालटेन या बिजली का बल्ब जलायें (जहां बिजली की सुविधा हो) तथा इनके नीचे मिट्टी के तेल मिले पानी की परात रखें ताकि रोशनी पर आकर्षित हो एवं जलकर नष्ट हो जायें।

अजमेर जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण हेतु प्रशिक्षण किए गए आयोजित

अजमेर, (रॉयल पत्रिका)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार राजस्थान राज्य में शीघ्र एसआईआर (Special Intensive Revision) विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाने हेतु सभी अधिकारियों/कार्मिकों को प्रशिक्षित किए जाने के क्रम में अजमेर जिले में प्रत्येक ईआरओ स्तर पर दिनांक 28 जुलाई 2025 से दिनांक एक अगस्त 2025 तक मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा तैयार कराए गए प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर के द्वारा 50-50 के ग्रुप में समस्त बीएलओ का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके अंतर्गत आज अजमेर उत्तर का प्रशिक्षण रीट कार्यालय में एवं अजमेर दक्षिण का प्रशिक्षण कॉन्फ्रेंस रूम माध्यमिक शिक्षा बोर्ड कार्यालय में क्रमश अतिरिक्त कलक्टर (शहर), अजमेर एवं उपखंड अधिकारी अजमेर की उपस्थिति एवं निर्देशन में संपादित किया गया। उक्त प्रशिक्षण का सुपरविजन निर्वाचन के रोल ऑब्जर्वर मान संभागीय आयुक्त महोदय द्वारा भी किया जाकर प्रशिक्षण में संबंधित बीएलओ एवं सुपरवाइजर को एसआईआर से संबंधित जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के पश्चात सभी प्रशिक्षणार्थियों से ग्रुप बनाए जाकर वास्तविक रोल प्ले कराया जाकर एक्ट कराया गया। सीईओ कार्यालय जयपुर से प्राप्त लिंक के आधार पर ऑनलाइन परीक्षा आयोजित कराई गई। उक्त प्रशिक्षण में अजमेर जिले का नाम प्रशिक्षण की गुणवत्ता अनुसार टॉप पांच जिलों में से 4 स्थान प्राप्त है। अजमेर उत्तर में सतीश कुमार सैनी प्रशासनिक अधिकारी एवं चंद्र शेखर प्राचार्य द्वारा मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रशिक्षण दिया जाकर लाभान्वित किया।

विधानसभा अध्यक्ष ने दिए बांडी नदी की दीवार बनाने के निर्देश

-आदित्य नगर व डिफेंस कॉलोनी में पुलिया बनाने पर नागरिकों ने किया अभिनंदन

अजमेर, (रॉयल पत्रिका)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने अजमेर विकास प्राधिकरण के अधिकारियों को निर्देश दिए कि बांडी की टूटी दीवार को जल्द से जल्द बनाया जाए। रामनगर स्कूल के बाहर नाला व नाली निर्माण हो ताकि सड़कों पर पानी जमा ना हो। उन्होंने वरूण सागर रोड स्थित आदित्य नगर व डिफेंस कॉलोनी का भी निरीक्षण किया। वहां पुलिया बनाने पर स्थानीय नागरिकों ने देवनानी का अभिनंदन किया। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने गुरूवार को अजमेर विकास प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ अजमेर उत्तर विधानसभा क्षेत्र के वर्षा प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण किया। उन्होंने बांडी नदी का निरीक्षण कर एडीए को निर्देश दिए कि नदी की टूटी दीवार तुरंत बनाई जाए। इसी तरह रामनगर स्कूल के बार नाला व नाली निर्माण भी जल्द कराया जाए ताकि सड़कों पर एवं स्कूल में पानी जमा ना हो। यह कार्य प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। देवनानी ने वरूण सागर रोड़ स्थित आदित्य कॉलोनी एवं डिफेंस कॉलोनी का निरीक्षण किया। इन दोनों कॉलोनियों में वर्षा के कारण क्षतिग्रस्त हुई पुलियाओं की जगह नई एवं मजबूत पुलियाओं का निर्माण किया जा रहा है। देवनानी का वहां पहुंचने पर स्थानीय नागरिकों ने अभिनंदन किया। इस अवसर पर देवनानी ने कहा कि हम प्राथमिकता के साथ क्षेत्र का विकास का रहे है। तेज बारिश के कारण कई जगहों पर पुलिया, सड़क व अन्य सार्वजनिक इमारतों को नुकसान पंहुचा है। इन सभी को दुरूस्त किया जा रहा है। एडीए, नगर निगम व पीडब्ल्यूडी को निर्देश दिए गए हैं कि आमजन को किसी तरह की समस्या नहीं आनी चाहिए। प्राथमिकता तय कर सड़क, नाला, नाली व दीवारों की मरम्मत व नवनिर्माण किया जाए। किसी भी क्षेत्र में समस्या नहीं रहनी चाहिए। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही सभी स्थानों पर काम शुरू कर दिया जाएगा। बड़ी सड़कों के साथ ही अंदरूनी सड़कों को भी सुधारा जाएगा। उन्होंने कहा कि तेज बारिश के कारण जहां भी नुकसान हुआ है। वहां जल्द सुधार किया जाएगा। उनके साथ एडीए के अधिकारी उपस्थित रहे।

डूंगरपुर विधानसभा के 247 बीएलओ 25 सुपरवाइजर का विशेष गहन पुनरीक्षण प्रशिक्षण आयोजित

डूंगरपुर, (रॉयल पत्रिका)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदाता सूची सटीक पारदर्शी एवं विश्वनीय बनाने के उद्देश्य से डूंगरपुर विधानसभा की नियुक्ति बीएलओ और सुपरवाइजर का विशेष गहन पुनरीक्षण प्रशिक्षण गुरुवार को आयोजित हुआ। वीर बाल कालीबाई कन्या राजकीय महाविद्यालय में आयोजित प्रशिक्षण में डूंगरपुर विधानसभा के नियुक्त 247 बीएलओ एवं 25 सुपरवाइजर को पीपीटी के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया ।इस दौरान प्रशिक्षण में उपस्थित सभी बीएलओ एवं सुपरवाइजर को संबोधित करते हुए उपखंड अधिकारी सागवाड़ा बाबूलाल जाट ने कहा कि सभी बीएलओ एवं सुपरवाइजर भारत निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशों का पालन करते हुए पूर्ण निष्ठापूर्वक कार्य करें। उपखंड अधिकारी डूंगरपुर सांवरलाल आबसरा ने कहा कि सभी बूथ लेवल अधिकारी घर-घर जाकर सर्वे द्वारा पात्र मतदाताओं को जोड़े एवं कोई भी पात्र मतदाता वंचित न रहे। इस दौरान दक्ष मास्टर ट्रेनर वैभव पाठक, विधानसभा डूंगरपुर के नियुक्त समस्त बीएलओ एवं सुपरवाइजर उपस्थित रहे।

नशा मुक्ति की शपथ दिलाकर जिला कलक्टर ने किया नशामुक्त गंगानगर अभियान में सहयोग का आह्वान

-ग्राम पंचायत हाकमाबाद में जिला कलक्टर की रात्रि चौपाल आयोजित

श्रीगंगानगर, (रॉयल पत्रिका)। जिले की सादुलशहर पंचायत समिति की ग्राम पंचायत हाकमाबाद में गुरुवार को जिला कलक्टर डॉ. मंजू की अध्यक्षता में रात्रि चौपाल आयोजित हुई। इस दौरान ग्रामीणों की विभिन्न समस्याओं के निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए जिला कलक्टर ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री महोदय की भावना के अनुसार परिवेदनाओं का निस्तारण कर आमजन को राहत पहुंचाई जाए। इस दौरान 41 प्रकरण आए।

रात्रि चौपाल के दौरान ग्रामीणों द्वारा ढीली तारों की मरम्मत करवाने, ढाणी में नया ट्रांसफार्मर लगाने, घरों के ऊपर से गुजर रही विद्त तारों को हटाने, विशेष योग्यजन प्रमाण पत्र बनवाने, गांव में सड़क की मरम्मत, सिंचाई पानी की उपलब्धता, रास्ता प्रकरण में कार्रवाई करने, वाटर वर्क्स डिग्गी की सफाई करवाने, एएनएम को मुख्यालय पर रहने, आयुर्वेद भवन का निर्माण करवाने सहित अन्य परिवाद दिए गए। जिला कलक्टर ने मौके पर ही संबंधित विभागों के अधिकारियों को बुलाकर उक्त परिवादों के निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की मंशा के अनुसार आमजन की समस्याओं को जल्द से जल्द हल किया जाए। जनसुनवाई के साथ-साथ रात्रि चौपाल में आने वाले सभी प्रकरणों में विभागीय अधिकारियों द्वारा गंभीरतापूर्वक कार्यवाही करते हुए संबंधित पीड़ित को राहत दिलवाना सुनिश्चित किया जाए। इसके पश्चात डॉ. मंजू द्वारा नशामुक्त श्रीगंगानगर अभियान के तहत नशे से दूर रहने के लिए जागरूक किया गया। नशामुक्त अभियान के हैल्प लाइन नंबर 9351504313 पर नशे का कारोबार करने वालों की सूचना देने का ग्रामीणों से आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि आमजन नशे के खिलाफ एकजुट हों और ऐसी गतिविधियों की सूचनाएं पुलिस को उपलब्ध करवाएं। हरियालो राजस्थान अभियान का उल्लेख करते हुए जिला कलक्टर ने सभी से इस अभियान में बढ़-चढ़कर भागीदारी करने का भी आह्वान किया। श्री विवेक कथूरिया ने उपस्थितजनों को नशामुक्ति की शपथ दिलवाई। इसके पश्चात जिला कलक्टर द्वारा नर्सरी का भी अवलोकन किया गया।

प्रस्तावित राज्य स्तरीय कार्यक्रम एवं धरती आबा अभियान के प्रस्ताव की हुई समीक्षा

डूंगरपुर, (रॉयल पत्रिका)। जिला कलेक्टर अंकित कुमार सिंह की अध्यक्षता में गुरुवारको जिला परिषद के ईडीपी सभागार में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिला कलेक्टर सिंह ने विश्व आदिवासी दिवस पर प्रस्तावित राज्य स्तरीय कार्यक्रम को लेकर विभिन्न विभागों से चर्चा की तथा विभागवार दायित्वों का निर्धारण करते हुए पूर्व तैयारी के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए सुझाव भी लिए। इसी क्रम में धरती आबा अभियान के अंतर्गत विभागवार तैयार किए गए प्रस्ताव की समीक्षा की। उन्होंने सभी विभागाध्यक्षों को अनुमानित लागत के साथ प्रस्ताव शीघ्र भिजवाने के निर्देश दिए। बैठक में जिला पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार ने राज्य स्तरीय कार्यक्रम के दौरान शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु पुलिस विभाग के साथ समन्वय रखते हुए आवश्यक निर्देश प्रदान किये। बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर दिनेश चंद्र धाकड़, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनिल पहाड़िया, उपयुक्त टीएडी सत्य प्रकाश कासवा सहित समस्त जिला स्तरीय अधिकारी गण मौजूद रहे।

शिविर में विधायक बिहाणी ने दिव्यांग बच्चों में वितरित किए उपकरण

श्रीगंगानगर, (रॉयल पत्रिका)। जिला परियोजना समन्वयक समग्र शिक्षा कार्यालय के तत्वावधान में विशेष आवश्यकता वाले बालक बालिकाओं के लिए अंग उपकरण वितरण शिविर का आयोजन गुरुवार को गुरुनानक बालिका महाविद्यालय में किया गया। शिविर में मुख्य अतिथि गंगानगर विधायक जयदीप बिहाणी ने दिव्यांग बच्चों को अंग-उपकरण वितरण कर प्रोत्साहित किया गया। शिविर में जिला श्रीगंगानगर के 9 ब्लॉक से विशेष आवश्यकता वाले बालक बालिकाओं एवं उनके अभिभावकों द्वारा भाग लिया गया। अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक अरविन्द्र सिंह ने बताया कि इन विशेष आवश्यकता वाले बालक-बालिकाओं हेतु सत्र 2024-25 हेतु ब्लॉक श्रीगंगानगर, अनूपगढ़ में असेसमेंट शिविर का आयोजन किया गया था। इन असेसमेंट शिविरों में चिन्हित दिव्यांग बालक-बालिकाओं को उनकी आवश्यकता के अनुरूप उपकरणों का वितरण गुरुवार को किया गया। उपकरण प्राप्त कर लाभान्वितजनों ने माननीय मुख्यमंत्री और राजस्थान सरकार का आभार जताया। समावेशी शिक्षा जिला समन्वयक भूपेंद्र कुमार स्वामी के अनुसार मोटराईजड ट्राईसाईकिल 01, कीलचेयर 17, ट्राईसाईकिल 05, स्मार्टफोन 01, रोलेटर 12, सीपी चेयर 10, सुगम्य केन, वैसाखी, कैलिपर आदि का वितरण किया गया। शिविर में कुल 88 बालक बालिकाओं को अग-उपकरणों से लाभान्वित किया गया। शिविर में सहायक परियोजना समन्वयक दिनेश कुमार, राकेश कुमार, सत्यपाल शर्मा, संदीप कुमार, नारायण सिंह, गुरतेज सिंह, धर्मपाल सिंह, पतराम चौधरी, रजनी बिष्ठ, विकास कुमार, किरण दत्ता, गंगा विशन, भगतुराम व श्री गुरु नानक बालिका कॉलेज स्टाफ का सहयोग रहा।

संपूर्णता अभियान: श्रीकोलायत में जिला स्तरीय सम्मान समारोह आयोजित, आकांक्षा हाट का हुआ शुभारंभ

बीकानेर, (रॉयल पत्रिका)। नीति आयोग के सम्पूर्णता अभियान के तहत श्रीकोलायत में जिला स्तरीय सम्मान समारोह गुरुवार को हुआ। इस दौरान आकांक्षा हाट का शुभारंभ किया गया। राजस्व तहसील परिसर में आयोजित कार्यक्रम में अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी ऋतुराज महला, उपखंड अधिकारी राजेश नायक, राजीविका के डीपीएम दिनेश चंद्र मिश्रा, तहसीलदार पूनम कंवर और विकास अधिकारी वीरपाल सिंह सहित अनेक अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान विभिन्न सूचकांकों की प्राप्ति में सराहनीय योगदान देने वाले 35 अधिकारियों, कर्मचारियों और प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। अधिकारियों ने कहा कि सभी के सामूहिक प्रयासों से ही जिले को यह उपलब्धि हासिल हो सकी है। उन्होंने इस जज्बे को बनाए रखने का आह्वान किया और कहा कि सांझा प्रयासों से कोलायत में आधारभूत सुविधाओं का विकास किया जा सकेगा। मुख्य आयोजना अधिकारी अमर सिंह चांदोलिया ने बताया कि नीति आयोग के संपूर्णता अभियान के तहत देश के लगभग पांच सौ ब्लॉक चयनित हुए। इनमें कोलायत को शामिल किया गया। कोलायत ने अभियान के 6 में से पांच सूचकांकों में लक्ष्य की प्राप्ति की। अभियान 1 जुलाई से 30 सितंबर 2024 तक चला। इसमें चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, कृषि और राजीविका के छह इंडीकेटर्स शामिल किए गए। इस दौरान मंच पर सांख्यिकी विभाग के संयुक्त निदेशक धर्मपाल खींचड़, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ पुखराज साध, आरसीएचओ डॉ. राजेश गुप्ता, महिला एवं बाल विकास विभाग के उपनिदेशक सुभाष बिश्नोई, आशान्वित ब्लॉक कॉर्डिनेटर योगिता व्यास मौजूद रहे। इस दौरान उपखंड अधिकारी राजेश नायक को राज्य स्तर पर प्राप्त स्मृति चिह्न और मेडल मुख्य आयोजना अधिकारी को सौंपा गया। कार्यक्रम का संचालन जिला परिषद के आईईसी कॉर्डिनेटर गोपाल जोशी ने किया। स्कूलों बालिकाओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी। एक पेड़ मां के नाम, लघुनाटिका की प्रस्तुति दी गई।

आकांक्षा हाट का हुआ शुभारंभ

जिला स्तरीय कार्यक्रम के दौरान सात दिवसीय आकांक्षा हाट का शुभारंभ हुआ। अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी ऋतुराज महला और उपखण्ड अधिकारी राजेश नायक ने फीता काटकर इसका उद्घाटन किया। अतिथियों ने स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों की स्टॉल्स का अवलोकन किया। उन्होंने कच्चे माल की उपलब्धता, निर्माण प्रक्रिया और विपणन के बारे में जाना। उल्लेखनीय है कि आकांक्षा हाट का उद्देश्य स्थानीय महिला स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों को बाजार से जोड़ना और स्वावलंबन को बढ़ावा देना है।

संपूर्णता अभियान' में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों को जिला प्रमुख और कलक्टर ने किया सम्मानित

बूंदी, (रॉयल पत्रिका)। आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम के अंतर्गत 'संपूर्णता अभियान' में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के सम्मान में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय सम्पूर्णता अभियान सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जिला प्रमुख चंद्रावती कंवर और जिला कलक्टर अक्षय गोदारा ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मयोगियों को प्रशस्ति पत्र और पदक प्रदान कर सम्मानित किया। समारोह में शिक्षा, स्वास्थ्य,पोषण, ढांचागत विकास, कृषि व महिला एवं बाल विकास जैसे क्षेत्रों में कमजोर पड़ते क्षेत्रों की पहचान कर उन्हें सुधारने तथा जिले के विभिन्न विभागों के सामूहिक प्रयासों से लक्षित मानकों की पूर्ति कर आकांक्षी ब्लॉक के विकास में अहम भूमिका निभाने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

केशवरायपाटनविकास अधिकारी को कांस्य पदक

कार्यक्रम में पंचायत समिति, केशवरायपाटनकेविकास अधिकारी भानु प्रताप सिंह हाड़ा को अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए जिला प्रमुख व जिला कलक्टार ने कांस्य पदक और प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया।

बीएलओ और सुपरवाइजर्स का प्रशिक्षण आयोजित

बीकानेर, (रॉयल पत्रिका)। बीकानेर पश्चिम, कोलायत, बीकानेर पूर्व एवं लूणकरणसर विधानसभा क्षेत्र के सुपरवाइजर्स एवं बूथ लेवल अधिकारियों का विशेष गहन पुनरीक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम गुरुवार को राजकीय डूंगर कॉलेज स्थित प्रताप सभागार एवं जैनोलोजी विभाग में आयोजित हुआ। इस दौरान राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर डॉ. एस एल राठी, डॉ विपिन सैनी, डॉ. शमींद्र सक्सेना, डॉ. राजाराम, डॉ. सुरेश कुमार वर्मा, रविंद्र मनीठिया, डॉ. अरुण पुरोहित, डॉ. चक्रवर्ती नारायण श्रीमाली, डॉ. विशाल गौड़, मुकेश आमेरिया, जितेंद्र वर्मा एवं शिवकुमार ने प्रशिक्षण का संचालन किया। प्रशिक्षण में बूथ लेवल अधिकारियों और पर्यवेक्षकों को गणना प्रपत्र भरने के तरीका एवं संलग्न किए जाने वाले दस्तावेजों के बारे में बताया गया। साथ ही मतदाताओं से प्राप्त फॉर्म का बीएलओ ऐप के जरिए प्रपत्र को अपलोड करने के की जानकारी दी गई। मतदाता द्वारा ईसीआई की वेबसाइट और ऐप से गणना प्रपत्र डाउनलोड एवं अपलोड करने की जानकारी दी गई। मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर मतदाता सूची डाउनलोड करने की प्रक्रियासाझा की गई। अंत में सभी प्रतिभागियों का प्रश्नपत्र के माध्यम से प्रशिक्षण का आकलन किया गया।

अनुराग कश्यप की फिल्म 'निशांची' का पोस्टर रिलीज

अमेजन एमजीएम स्टूडियोज इंडिया ने आज गुरुवार को अपनी आगामी थ्रिलर फिल्म निशांची का धमाकेदार पोस्टर रिलीज कर दिया है, जिसे अनुराग कश्यप द्वारा निर्देशित किया जा रहा है। पोस्टर को देख कर लगता है कि फिल्म में थ्रिलर, संस्पेंस, प्यार, इमोशंस सभी का मिश्रण देखने को मिलेगा। यह फिल्म बहुत जल्द सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। आगामी क्राइम-ड्रामा फिल्म निशांची के मेकर्स ने आज गुरुवार को इस फिल्म का पोस्टर अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर रिलीज किया है। फिल्म के पोस्टर को देखकर कहा जा सकता है कि इसमें क्राइम और ड्रामा का देसी अंदाज देखने को मिलेगा, जो दर्शकों को भरपूर मनोरंजन दे सकता है। पोस्टर में प्यार, बदला, टकराव, पछतावा सब कुछ एक साथ दिखाई दे रहा है और जारी हुए पोस्टर पर लिखा है कि दिल थामिए और जान बचाइए। यानी कि अनुराग कश्यप की ये फिल्म गैंग्स ऑफ वॉसेपुर की झलक दिखाती नजर आ रही है। निशांची फिल्म का पोस्टर रिलीज होते ही कमेंट्स की बाढ़ आ गई है। मशहूर अभिनेता विनीत कुमार सिंह ने लिखा कि धमाका है धमाका। वहीं लेखक-निर्माता आदित्य कृपलानी ने कहा कि आखिरकार पोस्टर आ ही गया। इसके अलावा अन्य यूजर्स ने लिखा कि अनुराग कश्यप धमाल मचाने वाले हैं, शानदार पोस्टर।

'मैं टैलेंट बेचने आई हूं, अपने आप को नहीं

बॉलीवुड में अक्सर ही कास्टिंग काउच के किस्से सामने आते रहते हैं। कई अभिनेत्रियों ने अपने खराब अनुभवों को साझा किया है। अब हाल ही में फिल्मों और टेलीविजन की अभिनेत्री इंदिरा कृष्णन ने इंडस्ट्री को लेकर कुछ बड़े खुलासे किए हैं। साथ ही उन्होंने इंडस्ट्री में लोगों द्वारा काम के बदले दिए गए कास्टिंग काउच के ऑफर्स के बारे में भी खुलकर बात की। एक्ट्रेस ने कहा कि हिंदी इंडस्ट्री की तुलना में साउथ इंडस्ट्री में उन्हें इस तरह के अनुभवों का ज्यादा सामना करना पड़ा।

एक से ज्यादा बार इंदिरा ने किया सामना

बॉलीवुड बबल से बातचीत के दौरान कास्टिंग काउच की घटनाओं का एक से ज्यादा बार सामना करने का खुलासा करते हुए अभिनेत्री ने कहा कि मैंने ऐसा सिर्फ एक बार नहीं बल्कि कई बार महसूस किया है। खासकर मैं यह नहीं कहूँगी कि ऐसा हिंदी फिल्म इंडस्ट्री या मुंबई में ज्यादा हुआ, बल्कि साउथ में हुआ। मुझे एक बड़े फिल्म निर्माता ने एक बहुत बड़े प्रोजेक्ट के लिए चुना था। उस प्रोजेक्ट को लेकर हमारे बीच कुछ मतभेद थे। मैं उस प्रोजेक्ट के लिए पूरी तरह तैयार थी, लेकिन आखिरी वक्त पर जैसा कि कई बार होता है, एक छोटी सी बात ने पूरे रिश्ते को बर्बाद कर दिया। बस एक लाइन, एक बयान, और सब कुछ खत्म।

अभिनेत्री ने साझा किया किस्सा

एक्ट्रेस ने आगे कहा कि मुझे याद है कि मैंने पहले सोचा कि अरे ये फिल्म भी मेरे हाथ से निकल गई। फिर घर पहुंचकर मैंने उसे एक मैसेज टाइप किया क्योंकि वो जिस तरह से बात कर रहा था, उसकी बॉडी लैंग्वेज और उसकी उम्मीदें सब काफी बढ़ गई थीं। इसके साथ ही दबाव भी बढ़ने लगा। मुझे लगा कि मैं इस स्थिति को संभाल नहीं पाऊंगी। मैंने सोचा कि अगर कल से शूटिंग शुरू हो गई और ये रिश्ता खराब हो गया तो क्या होगा? मैंने बहुत सम्मान से कहा कि मैं अपना टैलेंट बेचने आई हूं, अपने आप को नहीं। शायद मेरे शब्द थोड़े कठोर थे, लेकिन मुझे लगा कि आप जितने स्पष्ट होंगे, उतना ही बेहतर होगा। इससे आपको अपनी गति बनाए रखने, ऊर्जा बढ़ाने और आगे बढ़ने में मदद मिलती है।

राजकुमार राव के वकील की दलील, धार्मिक भावनाएं आहत करने का इरादा नहीं था

अभिनेता राजकुमार राव साल 2017 की फिल्म बहन होगी तेरी को लेकर एक कानूनी विवाद में घिरे हैं। सोमवार 28 जुलाई को आठ साल पुराने एक मामले में राजकुमार राव को पंजाब के जालंधर कोर्ट में सरेंडर करना पड़ा। उन्हें सशर्त जमानत मिल गई है। मगर, इस केस में आज बुधवार 30 जुलाई को सुनवाई हुई है। इस दौरान खुद राजकुमार तो उपस्थित नहीं रहे, मगर उनके वकील ने इस मामले की जानकारी शेयर की है। साल 2017 में बहन होगी तेरी के प्रमोशन के दौरान एक विवादित पोस्टर को लेकर बॉलीवुड अभिनेता राजकुमार राव के खिलाफ अदालत में सुनवाई हुई। राजकुमार के वकील दर्शन सिंह दयाल ने बताया कि जालंधर में हुई सुनवाई में अभिनेता उपस्थित नहीं हुए। उन्होंने राजकुमार राव के इस मामले की जानकारी साझा करते हुए आगे बताया कि 2017 में फिल्म में भगवान शिव के एक पोस्टर को लेकर लोगों के एक वर्ग में गुस्सा भड़क गया था। इस दौरान अभिनेता राजकुमार राव, श्रुति हासन, निर्माता-निर्देशक के खिलाफ केस दर्ज किया गया। दर्शन दयाल ने आगे बताया कि धारा 295 ए (धार्मिक भावनाओं को भड़काने के इरादे से किया गया कार्य), धारा 120बी (आपराधिक षड्यंत्र) और आईटी एक्ट की धारा 67 के तहत एफआईआर दर्ज की गई, जिसके कारण अभिनेता के खिलाफ गैर-जमानती वारंट भी जारी किए गए। एक्टर ने इस मामले में 28 जुलाई को जालंधर की एक अदालत में सरेंडर किया। अदालत में पेश होने के बाद उन्हें सशर्त जमानत दे दी गई।

मेकअप और परफ्यूम मेरे लिए एक तरह से इमोशनल एक्सप्रेशन हैं: रश्मिका मंदाना

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने बताया कि वह ज्यादातर समय नेचुरल और हल्का मेकअप पसंद करती हैं, लेकिन जब वह किसी खास मौके पर जाती हैं, तो ग्लैम मेकअप करना पसंद करती हैं। समाचार एजेंसी आईएएनएस ने जब रश्मिका से पूछा, क्या वे बिना मेकअप रहना पसंद करती हैं या फिर फुल मेकअप लुक पसंद है? इस सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, ज्यादातर मैं क्लियर स्किन या फिर लिप और चीक्स पर टिंट लगाकर रहती हूं। मैं चाहती हूं कि मेरी स्किन क्लियर रहे। मेकअप मेरे लिए एक इमोशनल एक्सप्रेशन की तरह है, जैसे परफ्यूम है।

अभिनेत्री ने बताया कि वह नेचुरल और ग्लैम दोनों रहना पसंद करती हैं। सिकंदर फेम अभिनेत्री ने कहा, कभी-कभी मुझे नेचुरल रहना अच्छा लगता है, तो कभी-कभी ग्लैमरस दिखना। मुझे लगता है कि दोनों ही रूपों की अपनी एक खूबसूरती है। अभिनेत्री अपने परफ्यूम के बारे में बात करते हुए कहती हैं, सच कहूं तो डियर डायरी की हर खुशबू मुझे मेरे एक अलग पहलू की तरह महसूस कराती है, लेकिन यह एक ऐसी खुशबू है जो मुझे मुश्किल दिनों में भी, पूरी तरह से और ईमानदारी से, अपने असली रूप में रहने की याद दिलाती है। अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने कहा कि उन्हें अपने परफ्यूम ब्रांड डियर डायरी के अलावा भी कुछ खास तरह की खुशबुएं पसंद हैं। उन्होंने कहा, मुझे हमेशा से कुछ-कुछ फूलों जैसी खुशबू पसंद रही है जिसमें थोड़ा-सा वनीला और हल्की-सी ताजगी महसूस होती हो। मुझे वो खुशबुएं बहुत पसंद हैं जो आपके मन को गहराई से छू जाएं। रश्मिका मंदाना आखिरी बार एक्शन क्राइम ड्रामा फिल्म कुबेरा में नजर आई थीं, जिसे शेखर कम्मुला ने डायरेक्ट किया था। इस फिल्म में उनके साथ नागार्जुन अक्किनेनी, धनुष, जिम सरभ और दिलीप ताहिल जैसे स्टार्स भी शामिल थे। अब रश्मिका अपनी अपकमिंग फिल्म थामा में नजर आएंगी, जिसमें उनके साथ आयुष्मान खुराना मुख्य भूमिका में हैं।

चुनौतीपूर्ण है 'तुम से तुम तक' में मीरा का किरदार : डॉली चावला

टीवी एक्ट्रेस डॉली चावला ने अपने नए धारावाहिक 'तुम से तुम तक' में निभाए जा रहे किरदार मीरा के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि यह किरदार उनके वास्तविक जीवन से बिल्कुल अलग है, जिसके कारण इसे निभाना चुनौतीपूर्ण है।

डॉली ने बताया, मैं मीरा का किरदार निभा रही हूं, जो आर्या (शरद केलकर) के ऑफिस, खाने और दवाइयों सहित हर चीज का ध्यान रखती है। उसे यह पसंद नहीं कि कोई और आर्या के करीब आए या उसे महत्व दे। अब जब ऑफिस में अनु (निहारिका चौकसे) आई, तो मीरा को जलन हो रही है। वह अपने बॉस के अलावा किसी की नहीं सुनती। उन्होंने कहा, लोगों ने मेरे पिछले हर काम को पसंद किया है और मुझे उम्मीद है कि वे मीरा को भी उतना ही प्यार देंगे, भले ही वे उसके नकारात्मक किरदार को नापसंद करें। हर किरदार चुनौतीपूर्ण होना चाहिए, तभी उसे निभाने में मजा आता है। मीरा मेरे असल व्यक्तित्व से बहुत अलग है और यही इसे रोमांचक बनाता है। इस किरदार को अपनाने में समय लगा, लेकिन मैं इसे लेकर उत्साहित हूं। डॉली ने शो को हां कहने की वजह भी बताई। उन्होंने कहा, जब प्रोडक्शन हाउस से कॉल आया, तो मैं बहुत उत्साहित थी। यह प्रोडक्शन हाउस मेरे लिए परिवार जैसा है। जब उन्होंने मुझे मीरा के किरदार के बारे में बताया, तो मैं खुश हो गई। यह शो सात भाषाओं में पहले से मौजूद है, इसलिए प्रदर्शन का दबाव है, लेकिन हिंदी में इसे बनाना शानदार है। 'तुम से तुम तक', आर्या और अनु के बीच उम्र के अंतर वाले प्रेम की कहानी है। डॉली ने कहा, वास्तविक जीवन में भी उम्र के अंतर वाली प्रेम कहानियां होती हैं। प्यार धीरे-धीरे बढ़ता है। अनु और आर्या की कहानी भी ऐसी ही है, जो धीरे-धीरे खुलती है। उम्र सिर्फ एक संख्या है। प्रतीक शर्मा और पार्थ शाह के प्रोडक्शन हाउस स्टूडियो एलएसडी के बैनर तले बने इस धारावाहिक में शरद केलकर और निहारिका चौकसे मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह शो रोजाना जी टीवी पर प्रसारित होता है।

नोरा फतेही और रेवैनी की जोड़ी फिर मचाएगी धमाल, तेतेमा में होगा इंडो-अफ्रीकन फ्यूजन

बॉलीवुड की डांसिंग क्वीन के नाम से मशहूर एक्ट्रेस नोरा फतेही एक बार फिर अपने फैंस के लिए कुछ खास लेकर आ रही हैं। इस बार उन्होंने तंजानिया के मशहूर सिंगर और सॉन्ग राइटर रेवैनी के साथ मिलकर एक धमाकेदार क्रॉस-कल्चरल ट्रैक तेतेमा तैयार किया है। इस गाने में आपको अफ्रीका और भारतीय संगीत दोनों का मिश्रण देखने को मिलेगा। वहीं, गाने में धमाकेदार बीट्स, डांस और इंटरनेशनल अंदाज होगा। बताया जा रहा है कि यह गाना अफ्रो-बोंगो म्यूजिक और कई भाषाओं और संस्कृतियों का मेल है। सूत्रों के मुताबिक, इस गाने का नाम ओ मामा तेतेमा हो सकता है, जो कि रेवैनी और डायमंड प्लैटिनम्ज के मशहूर गाने से प्रेरित है। यह गाना अफ्रीकन और इंडियन म्यूजिक का मिक्सअप है, जिसमें नोरा न केवल अपनी डांसिंग स्किल्स दिखाएंगी, बल्कि अपनी आवाज का भी जादू बिखेरेंगी।

छोरियां चली गांव के जरिए आज की पीढ़ी को दिखाना चाहता हूं देश की खूबसूरती: रणविजय सिंह

अभिनेता और होस्ट रणविजय सिंह अपकमिंग रियलिटी शो छोरियां चली गांव में नजर आएंगे। उन्होंने बताया कि इस शो के जरिए वह वर्तमान पीढ़ी, खासकर अपने बच्चों को भारत के सादे जीवन और गांवों की खूबसूरती से रूबरू कराना चाहते हैं। रणविजय के लिए यह शो बेहद खास है, क्योंकि उनकी बचपन की यादें पंजाब के गांव से जुड़ी हैं। रणविजय ने बताया, बचपन में मैं हर गर्मी की छुट्टियों में अपने दादा-दादी के पास गांव जाता था। मुर्गे की आवाज के साथ सुबह उठना, खेतों में नंगे पांव दौड़ना, हैंडपंप से पानी निकालना, गाय के तबेले से दूध लाना और खेतों में मदद करना ये सब मेरी दिनचर्या का हिस्सा था। उन्होंने कहा कि इन छोटी-छोटी चीजों को परिवार के सामने गर्व से दिखाना उन्हें अच्छा लगता था। उन्होंने आगे कहा, आज की पीढ़ी को ऐसी जिंदगी का अनुभव नहीं मिलता।

हाउसफुल 5 में शूट से पहले चित्रांगदा थीं नर्वस, बोलीं- माहौल में ढलने के बाद मजा आने लगा

गैसलाइट, इनकार, हजारों ख्वाहिशें ऐसी जैसी फिल्मों काम कर चुकी अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह ने बताया कि वह कॉमेडी फिल्म हाउसफुल-5 में काम करने से पहले बहुत घबराई हुई थीं क्योंकि बाकी सभी एक्टर्स पहले से ही कॉमेडी के अंदाज में ढल चुके थे, और वह उस माहौल में ढलने की कोशिश कर रही थीं। अभिनेत्री ने बताया, मैं सच में शूटिंग शुरू होने से पहले घबराई हुई थी। लेकिन एक बार जब मैं उस माहौल में ढल गई, तो मैंने शूटिंग को खूब इंजॉय किया और बहुत मजा आया। अभिनेत्री ने बताया कि जब उन्हें कॉमेडी का तरीका समझ में आ गया, तो शूटिंग में बहुत मजे किए थे। तरुण मनसुखानी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में अभिनेत्री ने कुछ स्टंट भी किए हैं। चित्रांगदा सिंह ने बताया कि हाउसफुल 5 की शूटिंग के दौरान कोई रिहर्सल नहीं हुई, बस सीधा सेट पर जाकर एक्टिंग शुरू करनी पड़ी। उन्होंने कहा, मैं कभी शूटिंग में लड़ाई के सीन कर रही थीं। मुक्के मार रही थीं, लातें चला रही थीं, और कभी खुद गिर रही थीं। मुझे ऐसा लग रहा था जैसे मैं फिर से बच्ची बन गई हूं। गंभीर, रोमांटिक किरदार करने वाली चित्रांगदा के लिए माया जैसा मस्तीभरा और अजीबोगरीब किरदार निभाना कुछ नया था। लेकिन उन्हें यह अनुभव काफी अच्छा लगा। अभिनेत्री ने आगे कहा, सच कहूं तो ये बहुत मजेदार अनुभव था। अभिनय के दौरान मैंने खुद को आजाद कर दिया था और बस पागलपन को इंजॉय करने लगी थी। इस फिल्म में अक्षय कुमार, अभिषेक बच्चन, रितेश देशमुख, जैकलीन फर्नांडीज और सोनम बाजवा, नरगिस फाखरी, संजय दत्त, जैकी श्रॉफ, नाना पाटेकर, फरदीन खान, चंकी पांडे, जॉनी लीवर, श्रेयस तलपड़े, डिनो मोरिया, रंजीत, सौंदर्या शर्मा, निकितिन धीर और आकाशदीप साबिर जैसे सितारे अहम भूमिका में हैं। साजिद नाडियावाला के बैनर नाडियावाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट के तहत निर्मित यह फिल्म 6 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

साभार एजेंसी

केएल राहुल को मिलेगी कप्तानी

- 25 करोड़ रुपये भी मिलेंगे?
- भारत-इंग्लैंड सीरीज के बीच आई चौंकाने वाली खबर

नई दिल्ली, एजेंसी। केएल राहुल का बल्ला इंग्लैंड में जमकर रन उगल रहा है वो सीरीज में दो शतक लगा चुके हैं और इसी बीच एक ऐसी खबर सामने आई है जो सच में चौंकाने वाली है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक केएल राहुल आईपीएल 2026 में दिल्ली कैपिटल्स की जगह कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए खेल सकते हैं. ऐसा बताया जा रहा है कि केकेआर की टीम उन्हें हर हाल में ट्रेड के जरिए अपने स्क्वाड में चाहती है. केएल राहुल को दिल्ली कैपिटल्स ने 14 करोड़ रुपये में खरीदा था और उन्होंने 13 पारियों में 539 रन बनाए थे. केएल राहुल को केकेआर इसलिए खरीदने के मूड में दिख रही है क्योंकि उसे एक कप्तान की जरूरत है. पिछले सीजन उसका नेतृत्व अजिंक्य रहाणे ने किया था, टीम प्लेऑफ में नहीं पहुंच पाई और उसका प्रदर्शन खराब रहा लेकिन अब केकेआर बड़े बदलाव के मूड में है. इसलिए वो केएल राहुल को टीम में लाकर उसे कप्तान बनाना चाहती है. मीडिया रिपोर्ट्स तो यहां तक हैं कि केएल राहुल के लिए केकेआर 25 करोड़ रुपये तक खर्च करने को तैयार है.केएल राहुल सिर्फ अच्छे बल्लेबाज ही नहीं, वो कप्तान और विकेटकीपर की भूमिका भी निभा सकते हैं ऐसे में केकेआर उनके लिए इतनी बड़ी रकम देने को भी तैयार बताई जा रही है.

केकेआर ने पैरों पर मारी कुल्हाड़ी?

केकेआर ने आईपीएल 2025 ऑक्शन से पहले अपने पैरों में कुल्हाड़ी मार ली थी. दरअसल उसने टीम को तीसरा आईपीएल जिताने वाले कप्तान श्रेयस अय्यर को ही रिटेन नहीं किया नतीजा ये खिलाड़ी पंजाब किंग्स का कप्तान बन गया. अय्यर के जाने से केकेआर को बड़ा नुकसान हुआ. सबसे पहले उसका कप्तान बदला जिसके बाद टीम का खेलने का तरीका भी बदल गया. टीम 14 में से 5 ही मैच जीत पाई.

अब आईपीएल 2026 से पहले उसने हेड कोच चंद्रकांत पंडित को भी हटा दिया है. कभी इस टीम की गेंदबाजी यूनिट को मजबूत बनाने वाले भरत अरुण भी लखनऊ का हाथ थाम चुके हैं. अब केकेआर किसी तरह केएल राहुल को टीम में लाकर अपनी टीम का बैलेंस बनाने की तैयारी में है. सवाल ये है कि क्या दिल्ली कैपिटल्स केएल राहुल को रिलीज करेगी, फिलहाल इसका जवाब शायद ना ही होगा.

मालामाल हुआ इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड

11334 करोड़ रुपये...काव्या मारन की टीम का दिखेगा जलवा

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग का दबदबा पूरी दुनिया में है. इस लीग में खेलने के लिए हर खिलाड़ी बेताब रहता है. दुनिया की सबसे महंगी इस लीग में हिस्सा लेने वाली टीमों का दायरा अब धीरे-धीरे बढ़ रहा है. इन टीमों के ओनर अब दूसरे देशों के टी20 लीग में निवेश कर रहे हैं. इससे उन देशों के बोर्ड को भी करोड़ों की कमाई हो रही है. इसी कड़ी में इंग्लैंड की एक लीग में आईपीएल की चार टीमों के ओर ने निवेश किया है. इसकी जानकारी इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने दी है.

इस निवेश स ईसीबी को 11334 करोड़ रुपये की कमाई भी हुई है. इस दौरान काव्या मारन की टीम का इंग्लैंड में जलवा दिखाई देगा. इंग्लैंड की लीग 'द हंड्रेड' में आईपीएलके चार

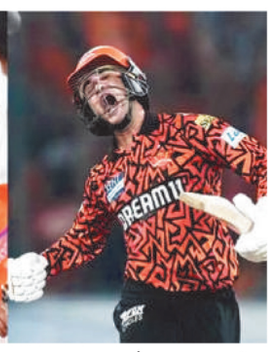

टीमों के ओनर ने निवेश किया है. इसकी जानकारी देते हुए ईसीबी ने बताया कि निवेश करने वालों में भारत की जीएमआर (दिल्ली कैपिटल्स के को-ओनर), सन टीवी नेटवर्क लिमिटेड (सनराइजर्स हैदराबाद के ओनर), आरपीएसजी समूह (लखनऊ सुपर जायंट्स के ओनर) और रिलायंस समूह (मुंबई इंडियंस के ओनर) शामिल हैं. ईसीबी ने बताया कि इससे उन्हें 975 मिलियन पाउंड (करीब 11 हजार 3 सौ 34 करोड़ रुपये) की कमाई हुई है. इंग्लैंड बोर्ड ने बताया कि दो और साझेदारों की बाद में औपचारिक रूप से पुष्टि हो जाएगी.

इससे पहले मुंबई इंडियंस, लखनऊ सुपर जायंट्स और सनराइजर्स हैदराबाद के ओनर साउथ अफ्रीका की टी20 लीग की टीमों को खरीद चुके हैं. द हड्रेड लीग में इन सभी को अक्टूबर से संचालन का हक मिल जाएगा.

काव्या मारन ने इस टीम को खरीदा

इसके अलावा सनराइजर्स हैदराबाद की मालकिन काव्या मारन की सन टीवी नेटवर्क ने नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स टीम को खरीद लिया है, उन्होंने 100 फीसदी हिस्सेदारी हासिल की है. इससे पहलेओनर ने साउथ अफ्रीका में खेली जाने वाली टी-20 में भी सनराइजर्स ईस्टर्न कैप की टीम को खरीदा था. इसके अलावा दिल्ली कैपिटल्स टीम के को-ओनर जीएमआर ग्रुप को द हंड्रेड की टीम सदर्न ब्रेव में 49 फीसदी हिस्सेदारी मिली है, वहीं मुंबई इंडियंस के ओनर मुकेश अंबानी की रिलायंस ग्रुप को ओवल इनविंसिबल्स टीम की 49 हिस्सेदारी मिलेगी, जिसको लेकर जल्द ही ऐलान किया जाएगा. द हंड्रेड लीग की शुरुआत 5 अगस्त से लॉर्ड्स के मैदान में होने जा रही है.

युजवेंद्र चहल ने इंग्लैंड में मचाया कहर

काउंटी चैंपियनशिप में डर्बीशायर के खिलाफ चटकाए 6 विकेट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम में वापसी की राह देख रहे स्पिनर युजवेंद्र चहल ने काउंटी चैम्पियनशप में शानदार गेंदबाजी की. नॉर्थहैम्पटनशायर के लिए खेलते हुए उन्होंने डर्बीशायर के खिलाफ 5 विकेट हॉल किया. ब्लेयर टिकनर का विकेट लेकर उन्होंने पारी में अपना छठा विकेट हासिल किया. उन्होंने इस पारी में सबसे अधिक ओवर (33.2) भी डाले. नॉर्थम्प्टन में खेले जा रहे इस मैच में डर्बीशायर काउंटी क्रिकेट क्लब ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया. हैरी केम (17) के रूप में युजवेंद्र चहल ने अपना पहला विकेट लिया, उन्होंने केम को एलबीडबल्यू आउट किया. इसके बाद उन्होंने सलामी बल्लेबाज लुइस रीस (39) के रूप में ब?ा विकेट चटकाया. लुइस कैच आउट हुए. चहल ने बेन एचिसन को आउट कर पारी में 5 विकेट हॉल किया. एचिसन 45 रन बना चुके थे, वह अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे तब भारतीय स्पिनर ने उन्हें बोल्ड किया. पारी का आखिरी और अपना छठा विकेट चहल ने ब्लेयर टिकनर का लिया. चहल ने पारी में सबसे अधिक 33.2 ओवर डाले, इसमें उन्होंने 3.54 की इकॉनमी से 118 रन दिए.

नागपुर लौटीं विश्व महिला शतरंज चैंपियन दिव्या, परिवार और कोच को दिया जीत का श्रेय

नागपुर, एजेंसी। फिडे महिला शतरंज विश्व कप 2025 जीतकर दिव्या ने इतिहास रच दिया है। वह यह खिताब जीतने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बन गई हैं। खिताब जीतने के बाद दिव्या बुधवार रात अपने गृह नगर नागपुर लौटीं, जहां एयरपोर्ट पर उनके परिवार और प्रशंसकों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। फिडे महिला शतरंज विश्व कप 2025 चैंपियन दिव्या देशमुख बुधवार को अपने गृह नगर नागपुर लौटीं। नागपुर लौटने पर उन्होंने अपनी बड़ी जीत का श्रेय अपने परिवार और पहले कोच राहुल जोशी को दिया। नागपुर एयरपोर्ट पर पहुंचने पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। उनके परिवार के साथ-साथ प्रशंसक भी बड़ी संख्या में मौजूद थे। महाराष्ट्र शतरंज संघ के अध्यक्ष परिणय फुके भी इस मौके पर मौजूद रहे। 19 वर्षीय दिव्या ने सोमवार को महिला विश्व कप जीतकर इतिहास रच दिया। वह यह खिताब जीतने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बन गईं। उन्होंने जॉर्जिया के बटुमी शहर में खेले गए ऑल-इंडियन फाइनल में अनुभवि कोनेरू हम्पी को टाई-ब्रेकर मुकाबले में हराया।

मुझे यह स्नेह पाकर बहुत खुशी हुई: दिव्या देशमुख ने नागपुर पहुंचने पर कहा कि मुझे यह स्नेह पाकर बहुत खुशी हुई। यह देखकर अच्छा लग रहा है कि इतनी भीड़ मेरा स्वागत करने के लिए यहां इक्ट्ठा हुई है। मैं बहुत खुश हूं।

मेरे पहले कोच चाहते थे कि मैं ग्रैंड मास्टर बनूं: दिव्या देशमुख ने अपनी जीत का श्रेय अपनी बहन, परिवार के सदस्यों और अपने पहले कोच राहुल जोशी को दिया। उन्होंने कहा, मेरे पहले कोच चाहते थे कि मैं ग्रैंड मास्टर बनूं, मैं इस जीत का श्रेय उन्हें देती हूं।

दिव्या के परिवार के सदस्यों ने उपलब्धि की सराहना की : दिव्या देशमुख के परिवार के सदस्यों ने उनकी उपलब्धि की सराहना की और कहा कि उन्होंने परिवार, नागपुर, महाराष्ट्र और भारत को गौरवान्वित किया है। इस चैंपियन खिलाड़ी की चाची स्मिता देशमुख ने पत्रकारों से कहा, हम बहुत खुश हैं कि दिव्या ने हमारे परिवार, नागपुर और भारत को गौरवान्वित किया है। भारत ने इतने वर्षों बाद यह महिला शतरंज विश्व कप जीता है।

- दो अगस्त को सीएम फडणवीस और केंद्रीय मंत्री गडकरी करेंगे सम्मानित

किशोरावस्था की चैंपियन दिव्या ने कहा कि ग्रैंड स्विस टूर्नामेंट में भाग लेने से पहले वह कुछ दिन आराम करेंगी। दिव्या को दो अगस्त को एक सार्वजनिक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और केंद्रीय मंत्री व नागपुर सांसद नितिन गडकरी सम्मानित करेंगे।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए अंडर-19 भारतीय टीम घोषित

वैभव सूर्यवंशी को भी फिर से मिली जगह; सीरीज में 3 वनडे और 2 टेस्ट मैच खेलेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। 14 साल के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए इंडिया अंडर-19 टीम में शामिल किया गया है। भारत और ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 के बीच 21 सितंबर से शुरू होने वाली इस सीरीज में 3 वनडे और 2 टेस्ट मैच खेले जाएंगे।

इंग्लैंड दौरे पर भी मिली थी वैभव को जगह वैभव इससे पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत में टेस्ट सीरीज खेल चुके हैं और इंग्लैंड दौरे पर भी शानदार प्रदर्शन किया था। इंग्लैंड में उन्होंने 5 वनडे मैचों में 355 रन बनाए, जिसमें एक शतक

शामिल था। वैभव ने 52 गेंदों में शतक बनाकर रिकॉर्ड भी अपने नाम किया था। 21 सितंबर को खेला जाएगा पहला वनडे इंडिया अंडर 19 बनाम ऑस्ट्रेलिया अंडर 19 टीम के बीच पहला वनडे मैच रविवार (21 सितंबर) को खेला जाएगा। सीरीज का दूसरा वनडे बुधवार (24 सितंबर) को होगा जबकि तीसरा वनडे मैच 26 सितंबर को खेला जाएगा। इसके बाद दोनों टीमें 2 टेस्ट मैचों की सीरीज में टकराएंगी।

सीरीज का पहला चार दिनी टेस्ट मैच 30 सितंबर से 3 अक्टूबर तक खेला जाएगा। जबकि दूसरा और अंतिम टेस्ट मैच 7 अक्टूबर से 10 अक्टूबर तक खेला जाएगा। तीनों वनडे नॉर्थेम्प्टनशॉयर में खेला जाएगा जबकि पहला टेस्ट भी इसी वेन्यू पर खेला जाएगा वहीं दूसरा टेस्ट मैक्के में आयोजित होगा।

शौक ने ले ली जान! पाकिस्तान में 2 बार की ओलंपिक चैंपियन जर्मन खिलाड़ी की 18700 फीट से दर्दनाक मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। बता दें कि डाहलमीयर एक अनुभवी पर्वतारोही थीं। वह जून के अंत से उत्तरी पाकिस्तान क्षेत्र में थीं और पहले ही ग्रेट ट्रांगो टॉवर पर चढ़ चुकी थीं। उनके गिरने वाले क्षेत्र में पिछले एक सप्ताह से मौसम काफी खराब चल रहा

था, जिसमें बारिश, तेज हवाएं और घने बादल थे। बता दें कि पाकिस्तान के लैला पीक पर पर्वत चढ़ना सबसे मुश्किल माना जाता है। इसके टॉप पर अभी तक सिर्फ सात पर्वतारोहियों ने ही सफलतापूर्वक चढ़ाई की है। वहीं डाहलमीयर के करियर की बात करें तो उन्होंने अपने दोनों गोल्ड मेडल साउथ कोरिया के प्योंगचांग में 2018 शीतकालीन ओलंपिक में जीते थे। उन्होंने स्प्रिंट और परस्यूट इवेंट में गोल्ड मेडल जीते थे, जबकि उन्होंने व्यक्तिगत स्पर्धा में ब्रॉन्ज मेडल भी जीता था। जर्मन एथलीट ने मई 2019 में संन्यास की घोषणा कर दी थी।

ओलिंपिक 2028 से बाहर हो सकते हैं पाकिस्तान-न्यूजीलैंड

नई दिल्ली, एजेंसी। 2023 में खेले गए एशियन गेम्स में क्रिकेट को तीसरी बार जगह मिली थी। इससे पहले इसे 2010 और 2014 में शामिल किया था। 2023 में खेले गए एशियन गेम्स में भारतीय क्रिकेट टीम ने गोल्ड जीता था, यह फोटो उसी समय की है। 2023 में खेले गए एशियन गेम्स में क्रिकेट को तीसरी बार जगह

मिली थी। इससे पहले इसे 2010 और 2014 में शामिल किया था। 2023 में खेले गए एशियन गेम्स में भारतीय क्रिकेट टीम ने गोल्ड जीता था, यह फोटो उसी समय की है।

लॉस एंजिल्स ओलिंपिक 2028 में पूर्व टी-20 वर्ल्ड चैंपियन पाकिस्तान और न्यूजीलैंड की पुरुष टीमें टूर्नामेंट से बाहर हो सकती हैं। इसका मुख्य कारण इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल द्वारा ओलिंपिक क्वालिफिकेशन के लिए निर्धारित क्षेत्रीय योग्यता प्रणाली है। 128 साल बाद 2028 ओलिंपिक में क्रिकेट की वापसी हो रही है, जिसमें मेंस और विमेंस टीमें टी-20 फॉर्मेट में हिस्सा लेंगी।

शेल्टन ने टोरंटो ओपन में मन्नारिनो को हराया, हार्ड कोर्ट पर रुबलेव की 250वीं जीत

टोरंटो, एजेंसी। बेन शेल्टन ने कैनेडियन ओपन के अपने पहले मैच में एड्रियन मन्नारिनो को 6-2, 6-3 से हराकर तीसरे दौर में प्रवेश किया। शेल्टन ने एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट में अपनी 25वीं जीत दर्ज की। 22 वर्षीय बेन शेल्टन फिलहाल पीआईएफ एटीपी रैंकिंग में अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ सातवें स्थान पर हैं। वह पिछले 10 में से 8 मुकाबले जीत चुके हैं। चौथे वरीय अमेरिकी खिलाड़ी ने एटीपी स्टैट्स के अनुसार अपने पहले सर्व पर 90 प्रतिशत (28 में से 31) अंक जीते और जिन दो ब्रेक प्वॉइंट्स का सामना किया, उन्हें भी बचा लिया।

इसके साथ ही उन्होंने फ्रेंच खिलाड़ी के खिलाफ एटीपी स्तर पर तीसरे आमने-सामने के मुकाबले में पहली जीत हासिल की। शेल्टन ने मैच के बाद कहा, आखिरी गेम में थोड़ा तनाव जरूर था, लेकिन मुझे खुशी है कि मैं अंत तक संयमित रहा और ब्रेक प्वॉइंट पर भी सर्व करते हुए मैच को खत्म कर पाया। अब

शेल्टन का अगला मुकाबला 25वें वरीय ब्रैंडन नकाशिमा से होगा, जिन्होंने हमवतन खिलाड़ी एथन क्विन को 7-6(6), 6-4 से हराया।

टोरंटो में इस फोर्टनाइट के दौरान शेल्टन अपना पहला मास्टर्स 1000 खिताब जीतने की कोशिश में हैं। एटीपी लाइव रेस टू ट्यूरिन में फिलहाल नौवें स्थान पर हैं। इस साल वह निट्टो एटीपी फाइनल्स में अपनी पहली उपस्थिति दर्ज कराने की ओर बढ़ रहे हैं।

इससे पहले, आंद्रे रुबलेव ने ह्यूगो गैस्टन को 6-2, 6-3 से हराकर हार्ड कोर्ट पर अपने करियर की 250वीं जीत दर्ज की। 27 वर्षीय रुबलेव ने गैस्टन के खिलाफ 19 विनर्स और 17 अनफोर्स्ड एरर्स के साथ मुकाबला समाप्त किया और तीसरे दौर में प्रवेश किया। छठे वरीय रुबलेव ने पिछले साल इसी एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट में फाइनल तक का सफर तय किया, जहां उन्हें एलेक्सी पोपिरिन से हार का सामना करना पड़ा था।

राहुल गांधी का बड़ा आरोप: अफसर करा रहे वोटों की चोरी, बोले- हमारे पास एटम बम है

-फटेगा तो चुनाव आयोग नहीं बचेगा

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर अपने तीखे तेवर दिखाते हुए भारतीय लोकतंत्र और चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं। बीते नौ दिनों में यह दूसरा मौका है जब उन्होंने चुनाव आयोग और सरकारी अधिकारियों को खुली चुनौती दी है। इस बार तो उन्होंने इसे "एटम बम" कहकर संबोधित किया और कहा कि जब यह फटेगा, तो चुनाव आयोग "बच नहीं पाएगा"। राहुल गांधी का ये बयान कांग्रेस के 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के दौरान सामने आया, जहां उन्होंने भाजपा, सरकारी एजेंसियों और चुनाव आयोग को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि देश के सरकारी अफसर अब निष्पक्ष नहीं रहे और भाजपा के कहने पर काम कर रहे हैं।

क्या बोले राहुल गांधी?

राहुल गांधी ने कहा, "हमारे पास एक एटम बम है। जब वो फटेगा, तो चुनाव आयोग बचेगा नहीं। अफसर वोटों की चोरी करा रहे हैं। लोकतंत्र की धज्जियाँ उड़ाई जा रही हैं।" उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस और I.N.D.I.A गठबंधन के पास ऐसे सबूत हैं जो साबित करेंगे कि किस तरह सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग कर जनता के वोट छीने जा रहे हैं।

राहुल ने आरोप लगाया कि— कुछ अफसर बीजेपी के इशारे पर काम कर रहे हैं। उन्होंने कई राज्यों में मतदाताओं के नाम लिस्ट से गायब करवाए। ईवीएम की पारदर्शिता पर सवाल उठे हैं लेकिन चुनाव आयोग चुप है। उन्होंने दावा किया कि जल्द ही वे सबूतों के साथ जनता के सामने पूरी सच्चाई लाएंगे। उनका यह कहना था कि "यह एटम बम बहुत जल्द फटेगा"।

सियासी हलचल और प्रतिक्रियाएं

राहुल गांधी के इस बयान के बाद राजनीतिक गलियारों में हलचल मच गई है। भाजपा नेताओं ने उनके बयान को "खतरनाक" और "जनतंत्र के खिलाफ" बताया है। केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने ट्वीट किया— "एटम बम की धमकी देना लोकतांत्रिक भाषा नहीं है। राहुल गांधी लोकतंत्र को कमजोर कर रहे हैं।" भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि, "राहुल गांधी देश की संवैधानिक संस्थाओं को धमका रहे हैं। अगर उनके पास सबूत हैं तो कोर्ट जाएं, मीडिया में बम फोड़ने की धमकी देना बच्चा राजनीति है।" वहीं कांग्रेस के नेताओं ने राहुल गांधी के बयान का समर्थन किया और कहा कि उन्होंने जो कहा, वह सच्चाई है।

जयराम रमेश ने कहा— "राहुल जी ने जो कहा वह जनता की आवाज़ है। पिछले कुछ चुनावों में जिस तरह गड़बड़ियाँ हुई हैं, वह सब जानते हैं।"

पहले भी दे चुके हैं चेतावनी

9 दिन पहले भी राहुल गांधी ने दिल्ली में एक रैली के दौरान कहा था— "हमारे पास ऐसे दस्तावेज़ हैं जो यह साबित करते हैं कि ईवीएम के साथ छेड़छाड़ हुई है। अधिकारी निष्पक्ष नहीं रहे। हम सही समय पर इसे जनता के सामने लाएंगे।" राहुल गांधी की लगातार इस तरह की टिप्पणियों से साफ है कि कांग्रेस इस बार चुनाव प्रक्रिया को बड़ा मुद्दा बनाने जा रही है।

चुनाव आयोग की चुप्पी पर सवाल

राहुल गांधी ने चुनाव आयोग की निष्क्रियता पर सीधा हमला किया। उन्होंने कहा— चुनाव आयोग को निष्पक्ष रहना चाहिए था। लेकिन अफसर भाजपा की भाषा बोलते हैं। ये संविधान की आत्मा के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि जब उनकी पार्टी ने चुनाव आयोग से संपर्क किया, तो कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला।

राहुल की रणनीति या दबाव की राजनीति?

राजनीतिक विश्लेषक इस बयान को कांग्रेस की चुनावी रणनीति का हिस्सा मान रहे हैं। 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले कांग्रेस भाजपा के खिलाफ "सिस्टम के दुरुपयोग" का नैरेटिव गढ़ रही है। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि— राहुल का 'एटम बम' बयान जनता का ध्यान खींचने के लिए है। वह चाहते हैं कि चुनाव में पारदर्शिता का मुद्दा चर्चा में रहे। यह बयान भाजपा को दबाव में डालने की कोशिश भी है।

जनता की प्रतिक्रिया

सोशल मीडिया पर राहुल गांधी के इस बयान को लेकर मिली-जुली प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं। कुछ लोग इसे "बहादुरी भरा" करार दे रहे हैं, जबकि कुछ इसे "राजनीतिक नौटंकी" बता रहे हैं। एक ट्विटर यूज़र ने लिखा— "राहुल गांधी सही कह रहे हैं। अगर संस्थाएं निष्पक्ष नहीं रहीं तो लोकतंत्र बच नहीं पाएगा।" वहीं एक अन्य ने कटाक्ष किया— "कांग्रेस की हार तय है, इसलिए अब धमकी की राजनीति कर रहे हैं।"

उपराष्ट्रपति चुनाव 9 सितंबर को: नया चेहरा तय होगा, 21 अगस्त तक भरे जाएंगे नामांकन

-सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों तरफ संभावित नामों पर मंथन तेज

नई दिल्ली। भारत के अगले उपराष्ट्रपति के चुनाव की तारीख का ऐलान हो चुका है। 9 सितंबर को देश के 14वें उपराष्ट्रपति के लिए मतदान होगा। नामांकन की आख़िरी तारीख़ 21 अगस्त तय की गई है। यह चुनाव ऐसे वक़्त में हो रहा है जब वर्तमान उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने 21 जुलाई को अपना इस्तीफ़ा राष्ट्रपति को सौंप दिया था। चुनाव आयोग ने उपराष्ट्रपति चुनाव की अधिसूचना जारी करते हुए कहा कि पूरा चुनाव कार्यक्रम संवैधानिक प्रावधानों और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के मुताबिक़ संपन्न कराया जाएगा।

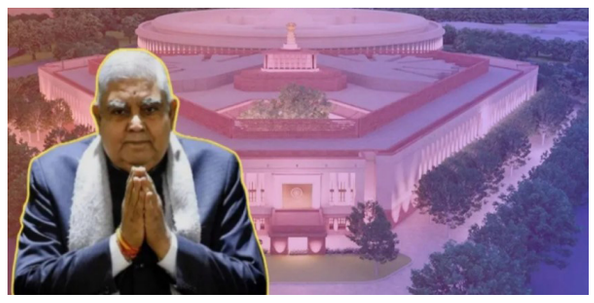

उपराष्ट्रपति चुनाव की प्रक्रिया

भारत के संविधान के अनुच्छेद 66 के अनुसार, उपराष्ट्रपति का चुनाव निर्वाचक मंडल द्वारा किया जाता है, जिसमें लोकसभा और राज्यसभा दोनों के निर्वाचित और नामित सदस्य शामिल होते हैं। उपराष्ट्रपति का चुनाव गुप्त मतदान और एकल संक्रमणीय मत प्रणाली (Single Transferable Vote) के ज़रिये किया जाता है। यह वही प्रक्रिया है जो राष्ट्रपति चुनाव के लिए भी लागू होती है, लेकिन एक बड़ा अंतर यह है कि राष्ट्रपति चुनाव में राज्यों के विधायकों का भी हिस्सा होता है, जबकि उपराष्ट्रपति चुनाव केवल संसद के सदस्यों द्वारा किया जाता है।

मुख्य तिथियां

कार्यक्रम तारीख
अधिसूचना जारी5 अगस्त 2025
नामांकन की अंतिम तिथि
21 अगस्त 2025
जांच की तिथि23 अगस्त 2025
नाम वापसी की अंतिम तिथि
25 अगस्त 2025
मतदान की तिथि9 सितंबर 2025
मतगणना (यदि आवश्यक हो)
9 सितंबर को ही

उपराष्ट्रपति का पदः भूमिका और महत्व

भारत का उपराष्ट्रपति देश का दूसरा सबसे बड़ा संवैधानिक पद होता है। वे राज्यसभा के पदेन सभापति होते हैं और उनकी भूमिका न केवल एक प्रतीकात्मक होती है, बल्कि वे संसद की कार्यवाही को सुचारू रूप से संचालित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यदि किसी कारणवश राष्ट्रपति का पद रिक्त हो जाए, तो उपराष्ट्रपति कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में ज़िम्मेदारी संभालते हैं जब तक नया राष्ट्रपति निर्वाचित नहीं हो जाता।

जगदीप धनखड़ का कार्यकाल और इस्तीफ़ा

जगदीप धनखड़ ने 11 अगस्त 2022 को भारत के 14वें उपराष्ट्रपति के रूप में शपथ ली थी। वे इससे पहले पश्चिम बंगाल के राज्यपाल भी रह चुके हैं और एक अनुभवी वकील एवं राजनीतिज्ञ माने जाते हैं। हालांकि, 21 जुलाई 2025 को उन्होंने अपने पद से इस्तीफ़ा दे दिया, जिसकी वजह को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक विवरण नहीं दिया गया है। राजनीतिक हलकों में यह चर्चा ज़ोरों पर है कि वे किसी नई भूमिका या जिम्मेदारी की ओर अग्रसर हैं — जैसे कि किसी अंतरराष्ट्रीय पद या केंद्रीय मंत्रिमंडल में बड़ी भूमिका।

कौन होंगे अगले उपराष्ट्रपति? संभावित नाम

इस बार के चुनाव में विपक्ष और सत्ता पक्ष दोनों ही अपने-अपने उम्मीदवारों को लेकर गहन मंथन कर रहे हैं।

संभावित नाम (सत्तारूढ़ दल की ओर से):

हरदीप सिंह पुरी: वर्तमान केंद्रीय मंत्री और पूर्व राजनयिक
अरुण गोयल: पूर्व नौकरशाह और सरकार के करीबी माने जाते हैं
डॉ. सुधा मूर्ति: शिक्षा और **समाजसेवा में उल्लेखनीय कार्य**
संभावित नाम (विपक्ष की ओर से):
जयराम रमेश: वरिष्ठ कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद
मनोज झा: राजद के राज्यसभा सांसद और मुखर वक्ता
फरहात हाशमी (यदि विपक्ष मुस्लिम महिला चेहरा उतारना चाहे तो)
इन नामों पर फिलहाल कोई औपचारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन राजनीतिक जोड़-घटाव का दौर ज़ोरों पर है।

क्या है चुनाव का राजनीतिक महत्व?

हालांकि उपराष्ट्रपति का चुनाव आम जनता के सीधे वोट से नहीं होता, फिर भी इसका राजनीतिक महत्व बहुत अधिक होता है: संसद की गरिमा और कार्य संचालन में उपराष्ट्रपति की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। यह चुनाव केंद्र और विपक्षी दलों के बीच शक्ति संतुलन को दर्शाता है।आगामी लोकसभा चुनाव 2029 से पहले यह चुनाव राजनीतिक संकेतक भी बन सकता है। उपराष्ट्रपति का चुनाव भारतीय लोकतंत्र का एक महत्वपूर्ण पड़ाव होता है। आने वाले हफ्तों में नामांकन, प्रचार और मतदान के जरिए यह तय हो जाएगा कि संसद का नया सभापति कौन होगा।

भारत के 7 राज्यों को बांग्लादेश के नक्शे में दिखाने पर बवाल: संसद में उठा मुद्दा

-जयशंकर बोले- भारत की अखंडता से कोई समझौता नहीं

नई दिल्ली। संसद में हाल ही में उस वक्त चिंता जताई गई जब एक सांसद ने बांग्लादेश द्वारा जारी किए गए एक मानचित्र का मुद्दा उठाया, जिसमें भारत के सात राज्यों को कथित तौर पर बांग्लादेश का हिस्सा दिखाया गया है। इस गंभीर मसले पर विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने संसद में जवाब देते हुए कहा कि सरकार इस प्रकार के हर प्रोपेगेंडा पर पैनी नजर रख रही है और भारत की क्षेत्रीय अखंडता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

किस मैप पर मचा बवाल?

बांग्लादेश से जुड़ी एक डिजिटल या छपे हुए नक्शे में भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों — असम, मेघालय, त्रिपुरा, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड और अरुणाचल प्रदेश — को बांग्लादेश का "ऐतिहासिक हिस्सा" बताया गया है। यह नक्शा किसी निजी प्रकाशन, यूट्यूब वीडियो या सोशल मीडिया प्रचार के ज़रिए सामने आया है। इस नक्शे में दावा किया गया है कि ब्रिटिश उपनिवेश काल से पहले ये क्षेत्र कभी बांग्लादेश (या बंगाल) का हिस्सा रहे थे।

संसद में उठे तीखे सवाल

लोकसभा में इस मुद्दे को भारतीय जनता पार्टी के सांसदों के साथ-साथ विपक्षी दलों के कुछ सदस्यों ने भी गंभीरता से उठाया। सदन में सवाल पूछा गया कि क्या सरकार ने इस नक्शे का संज्ञान लिया है, और इस प्रोपेगेंडा के खिलाफ कोई कूटनीतिक कदम उठाए गए हैं या नहीं?

जयशंकर का जवाब: "कड़ी नजर और ठोस रणनीति"

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने जवाब देते हुए कहा, "सरकार इस पूरे मामले पर कड़ी निगरानी बनाए हुए है। बांग्लादेश के किसी आधिकारिक माध्यम से ऐसा कोई दावा सामने नहीं आया है, लेकिन अगर कोई गलत जानकारी या प्रोपेगेंडा फैलाया जा रहा है, तो हम पूरी मजबूती से उसका जवाब देने के लिए तैयार हैं। भारत की एकता और अखंडता पर कोई आंच नहीं आने दी जाएगी।" उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस तरह के मामलों को गंभीरता से लेते हुए कूटनीतिक चैनलों के जरिए संबंधित देश को आवश्यक संदेश दे दिया गया है।

सोशल मीडिया पर बढ़ी चिंता

इस नक्शे के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर इसे लेकर काफ़ी गुस्सा और चिंता देखने को मिली। कई यूज़र्स ने इसे "बौद्धिक युद्ध" करार दिया और सरकार से जवाबदेही की मांग की। कुछ विश्लेषकों ने इसे भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप की कोशिश बताया और डिजिटल माध्यमों पर चलाए जा रहे "नैरेटिव वॉर" का हिस्सा कहा।

विशेषज्ञों की राय

भू-राजनीति के जानकारों का कहना है कि ऐसे नक्शे आम तौर पर किसी देश की सरकारी नीति का हिस्सा नहीं होते, बल्कि किसी खास समूह या संस्था द्वारा एजेंडा चलाने के लिए बनाए जाते हैं। हालांकि, इससे क्षेत्रीय असंतोष को भड़काने की कोशिश जरूर की जा सकती है, खासकर सीमावर्ती राज्यों में।

भारत का रुख साफ

जयशंकर ने संसद में यह दोहराया कि भारत अपनी सीमाओं को लेकर बेहद संवेदनशील है और किसी भी देश को ये भ्रम नहीं होना चाहिए कि वह भारत की अखंडता को चुनौती दे सकता है।

ट्रम्प की पाकिस्तान पर मेहरबानी: भारत पर 25% शुल्क, पड़ोसी को दी 19% राहत और सस्ती ऑयल डील

-दक्षिण एशिया में बदलती अमेरिकी रणनीति पर उठे सवाल

वॉशिंगटन (एजेंसी)। हाल ही में ट्रम्प ने संकेत दिया कि अगर वे दोबारा राष्ट्रपति बने तो भारत से आयात होने वाले कुछ खास उत्पादों पर 25% तक टैरिफ लागू किया जाएगा। उनका तर्क है कि भारत ने 'अमेरिकन मार्केट को सस्ता माल देकर अमेरिकी उद्योगों को नुकसान पहुंचाया है।' वहीं पाकिस्तान के लिए घोषित टैरिफ सिर्फ 19% रखा गया है, जो कि कई विशेषज्ञों के अनुसार 'साफतौर पर नरमी' दर्शाता है। भारत जैसे विशाल अर्थव्यवस्था वाले देश को इस तरह के शुल्क से ज्यादा नुकसान हो सकता है, जबकि पाकिस्तान जैसी संघर्षशील अर्थव्यवस्था को कम टैरिफ राहत देने जैसा कदम माना जा रहा है। यह कदम भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों में तनाव ला सकता है, खासकर ऐसे समय में जब दोनों देश चीन की चुनौतियों से एक साथ निपटने की बात करते रहे हैं।

ऑयल डील का ऐलान और रणनीतिक समीकरण

एक दिन पहले ही पाकिस्तान ने एक बड़ी घोषणा की – अमेरिकी तेल कंपनियों के साथ एक दीर्घकालिक समझौता हुआ है जिसके तहत पाकिस्तान को रियायती दरों पर कच्चा तेल मिलेगा। इस डील में अमेरिकी कंपनियां पाकिस्तान में निवेश भी करेंगी, खासकर तेल शोधन और ऊर्जा ढांचे के विकास में। इस ऑयल डील के साथ ही ट्रम्प के पुराने बयान एक बार फिर चर्चा में आ गए हैं जब उन्होंने खुलेआम कहा था – "I love Pakistan." उस समय इसे महज एक राजनीतिक वक्तव्य माना गया था, लेकिन अब लगता है कि ट्रम्प की नीति में पाकिस्तान के लिए सॉफ्ट कॉर्नर है।

ट्रम्प की पुरानी नीति और पाकिस्तान

ट्रम्प के पिछले कार्यकाल में भी पाकिस्तान को लेकर उनका रुख कभी-कभी विरोधाभासी रहा था। एक ओर उन्होंने पाकिस्तान को आतंकवाद को समर्थन देने पर चेताया, तो दूसरी ओर प्रधानमंत्री इमरान खान से व्हाइट हाउस में गर्मजोशी से मुलाकात की थी। उन्होंने खुद को 'बेस्ट डीलमेकर' कहकर कई बार यह जताया कि वह पाकिस्तान को भारत के खिलाफ रणनीतिक रूप से इस्तेमाल कर सकते हैं। कुछ विश्लेषकों का मानना है कि ट्रम्प पाकिस्तान को चीन से खींचकर अपने खेमे में लाना चाहते हैं और इसी दिशा में ये 'टैरिफ रियायत' और ऑयल डील जैसे कदम हैं।

भारत को क्यों सतर्क होना चाहिए?

भारत को लेकर ट्रम्प का रुख हमेशा कठोर व्यापारिक निगाह से रहा है। उनके पिछले कार्यकाल में जीएसपी (Generalized System of Preferences) से भारत को बाहर कर दिया गया था, जिससे भारत के कई निर्यातकों को नुकसान हुआ। अब एक बार फिर टैरिफ बढ़ाने की धमकी और पाकिस्तान को ऑयल डील के ज़रिए सहयोग देने के संकेत भारत के लिए संकेत हैं कि ट्रम्प के नेतृत्व में अमेरिका का झुकाव संतुलित नहीं रह सकता।

इसके अलावा, ट्रम्प की "अमेरिका फर्स्ट" नीति और "अनप्रेडिक्टेबल डिप्लोमेसी" भारत जैसे देशों के लिए हमेशा चुनौती रही है। भारत को अपनी कूटनीति और रणनीति को अमेरिका के बदलते राजनीतिक मूड के अनुसार ढालना होगा।

क्या यह सब चीन को घेरने की रणनीति है?

कुछ विशेषज्ञ मानते हैं कि ट्रम्प की यह नीति सिर्फ भारत या पाकिस्तान के प्रति झुकाव नहीं, बल्कि चीन को घेरने की एक बड़ी रणनीति का हिस्सा है। पाकिस्तान को लुभाकर ट्रम्प दक्षिण एशिया में चीन के प्रभाव को कम करना चाहते हैं। लेकिन इसमें जोखिम यह है कि इससे भारत, जो अमेरिका का प्राकृतिक रणनीतिक साझेदार रहा है, खुद को ठगा हुआ महसूस कर सकता है। डोनाल्ड ट्रम्प की 'पाकिस्तान-परस्त' नीति एक बार फिर सुर्खियों में है। सिर्फ 19% टैरिफ, ऑयल डील, और पहले दिए बयानों की पृष्ठभूमि में यह स्पष्ट होता जा रहा है कि ट्रम्प यदि दोबारा सत्ता मंर लौटे तो दक्षिण एशिया की रणनीतिक तस्वीर बदल सकती है। भारत के लिए यह समय है कि वह अमेरिका के बदलते सियासी समीकरणों को ध्यान में रखकर अपनी कूटनीति को और सशक्त बनाए। डोनाल्ड ट्रम्प ने दोबारा राष्ट्रपति बनने की स्थिति में भारत से कुछ उत्पादों पर 25% तक टैरिफ लगाने का संकेत दिया है, जबकि पाकिस्तान पर यह दर महज 19% रखी गई है। विशेषज्ञ इसे ट्रम्प की 'पाकिस्तान-परस्त' नीति और भारत के प्रति सख्त रुख के रूप में देख रहे हैं। सिर्फ इतना ही नहीं, पाकिस्तान ने हाल ही में अमेरिकी तेल कंपनियों के साथ एक दीर्घकालिक समझौता किया है, जिसके तहत उसे सस्ते दामों पर तेल मिलेगा और ऊर्जा ढांचे में निवेश भी होगा।

ट्रम्प ने भारत पर 25% टैरिफ 7 दिन टाला, 90 देशों को अस्थायी राहत

-कनाडा पर आज से 35% शुल्क लागू, चीन को नहीं मिली छूट

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प एक बार फिर से वैश्विक व्यापार नीति को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने बड़ा ऐलान करते हुए 25% टैरिफ लागू करने की बात कही थी, जो भारत सहित 90 देशों पर लागू होना था। लेकिन अब खबर है कि भारत पर प्रस्तावित 25% टैरिफ को 7 दिनों के लिए टाल दिया गया है। वहीं दूसरी ओर, कनाडा पर 35% टैरिफ आज से लागू कर दिया गया है।

ट्रम्प की नई नीति क्या है?

डोनाल्ड ट्रम्प ने पहले ही अपने इरादे स्पष्ट कर दिए थे कि यदि वे दोबारा सत्ता में आते हैं तो 'अमेरिका फर्स्ट' नीति के तहत अमेरिका में आयात होने वाले उत्पादों पर भारी टैरिफ लगाएंगे। उनकी दलील है कि सस्ते आयात के कारण अमेरिका की फैक्ट्रियों में उत्पादन घटा है, नौकरियों में गिरावट आई है और ट्रेड डेफिसिट लगातार बढ़ा है। इसी नीति के तहत ट्रम्प ने कुछ दिनों पहले 100 से ज्यादा देशों पर आयात टैरिफ लगाने का प्रस्ताव रखा था। भारत के लिए यह टैरिफ 25% तय किया गया था। हालांकि अब इसे 7 दिन के लिए टाल दिया गया है।

भारत को मिली अस्थायी राहत

भारत पर टैरिफ टालने का कारण ट्रम्प के प्रवक्ता ने 'रणनीतिक साझेदारी और बातचीत की गुंजाइश' बताया है। अमेरिका को भारतीय बाजार और आईटी सेक्टर से जुड़े व्यापार में गहरी दिलचस्पी है। यही वजह है कि भारत को बातचीत के लिए 7 दिन की मोहलत दी गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रम्प का यह फैसला भारत-अमेरिका संबंधों में तनाव को कुछ हद तक कम करने की कोशिश हो सकती है, क्योंकि भारत अमेरिका के लिए रक्षा, टेक्नोलॉजी और फार्मा सेक्टर में एक अहम साझेदार है।

कनाडा पर ट्रम्प का सख्त रुख

जहां भारत को 7 दिन की राहत मिली है, वहीं कनाडा के लिए हालात बिल्कुल उलट हैं। ट्रम्प ने कनाडा से आने वाले प्रमुख आयातित वस्तुओं पर 35% टैरिफ आज से लागू करने का आदेश दे दिया है। टैरिफ का असर लकड़ी, स्टील, ऑटो पार्ट्स और डेयरी उत्पादों पर सबसे ज्यादा पड़ने की संभावना है। अमेरिका-कनाडा के बीच लंबे समय से कुछ व्यापारिक तनाव चल रहा है, लेकिन इस बार ट्रम्प ने सीधा हमला किया है।

चीन को कोई राहत नहीं

चीन इस नई टैरिफ नीति से पूरी तरह बाहर रखा गया है। यानी ट्रम्प की नजर में चीन को कोई रियायत नहीं दी जानी है। चीन पहले से ही अमेरिकी बाजार के लिए "प्रतिस्पर्धात्मक खतरा" माना जाता रहा है। ट्रम्प के मुताबिक, चीन के कारण अमेरिकी मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को भारी नुकसान हुआ है। उन्होंने पहले भी चीन पर कई तरह के शुल्क और प्रतिबंध लगाए थे और दोबारा उसी नीति को सख्ती से लागू करने के पक्षधर हैं।

90 देशों को अस्थायी राहत

टैरिफ लिस्ट में शामिल 90 देशों को अस्थायी राहत दी गई है। लेकिन यह राहत स्थायी नहीं है। ट्रम्प की टीम ने साफ कर दिया है कि आने वाले हफ्तों में इन देशों से बातचीत के आधार पर आगे का फैसला लिया जाएगा। इन देशों में ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, वियतनाम, थाईलैंड, बांग्लादेश, मैक्सिको, इंडोनेशिया, तुर्की जैसे नाम शामिल हैं।

भारत के लिए क्या हैं संभावित परिणाम?

यदि 7 दिन बाद भारत पर टैरिफ लागू कर दिया गया, तो इसका असर कई क्षेत्रों पर पड़ सकता है। टेक्सटाइल और गारमेंट: भारत के कपड़ा उद्योग का बड़ा हिस्सा अमेरिकी बाजार में जाता है। टैरिफ बढ़ने से प्रतिस्पर्धा में गिरावट आ सकती है। आईटी सर्विसेज: भारत की प्रमुख कंपनियां अमेरिका में बड़ी संख्या में सेवाएं देती हैं। टैरिफ की मार अप्रत्यक्ष रूप से आउटसोर्सिंग को प्रभावित कर सकती है। फार्मास्युटिकल्स: भारत से अमेरिका को बड़ी मात्रा में जेनेरिक दवाएं निर्यात होती हैं। टैरिफ लागू होने से इनकी लागत बढ़ेगी और अमेरिकी कंपनियां विकल्प ढूंढ सकती हैं। ऑटो पार्ट्स और इंजीनियरिंग गुड्स: यह सेक्टर भी सीधे तौर पर टैरिफ की मार झेलेगा।

भारत की रणनीति क्या हो सकती है?

भारत सरकार के सूत्रों का कहना है कि इस मसले पर उच्चस्तरीय कूटनीतिक वार्ता चल रही है। भारत इस मुद्दे को WTO (विश्व व्यापार संगठन) में भी उठा सकता है, अगर टैरिफ स्थायी रूप से लागू किए जाते हैं। वहीं, भारतीय व्यापार विशेषज्ञों का सुझाव है कि सरकार को इस दौरान यूरोप, अफ्रीका और साउथ ईस्ट एशिया जैसे बाजारों में निर्यात को बढ़ावा देने के उपाय करने चाहिए ताकि अमेरिकी निर्भरता कम हो।

पूर्व JDS सांसद प्रज्वल रेवन्ना रेप केस में दोषी करार: मेड के यौन शोषण का आरोप साबित

-शनिवार को सुनाई जाएगी सजा

बेंगलुरु। जनता दल सेक्युलर (JDS) के पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना को बहुचर्चित यौन शोषण मामले में कोर्ट ने दोषी करार दिया है। बेंगलुरु की विशेष अदालत ने शुक्रवार को फैसला सुनाते हुए कहा कि रेवन्ना ने घरेलू मेड के साथ कई बार रेप किया, धमकी दी और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया। कोर्ट कल यानी 2 अगस्त को उनकी सजा का ऐलान करेगी। कोर्ट के फैसले के बाद प्रज्वल रेवन्ना visibly टूटे नजर आए। फैसला सुनते ही उनकी आंखों से आंसू निकल पड़े और वह कोर्ट रूम से बाहर निकलते वक्त फफक पड़े।

मामले की पृष्ठभूमि

प्रज्वल रेवन्ना, पूर्व प्रधानमंत्री एच. डी. देवेगौड़ा के पोते और पूर्व मुख्यमंत्री एच. डी. कुमारस्वामी के भतीजे हैं। 2019 में उन्होंने हासन सीट से लोकसभा चुनाव जीता था और सांसद बने। 2024 की शुरुआत में एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वे अपनी घरेलू सहायिका के साथ आपत्तिजनक स्थिति में दिखाई दिए। इसके बाद पीड़िता ने यौन शोषण, धमकी और मानसिक प्रताड़ना का गंभीर आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई थी। पीड़िता का आरोप था कि रेवन्ना ने नौकरी से निकालने और परिवार को नुकसान पहुंचाने की धमकी देकर कई बार उसका शोषण किया। इसके समर्थन में पीड़िता ने वीडियो और वॉयस रिकॉर्डिंग सबूत के तौर पर पेश किए।

जांच और सुनवाई

कर्नाटक सरकार ने मामले की गंभीरता को देखते हुए SIT (विशेष जांच दल) गठित की थी। जांच में रेवन्ना की संलिप्तता की पुष्टि हुई और उनके खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गई। ट्रायल के दौरान 22 गवाहों के बयान लिए गए और करीब 60 सबूत कोर्ट के सामने रखे गए। बचाव पक्ष की ओर से रेवन्ना ने खुद को राजनीतिक साजिश का शिकार बताया, लेकिन कोर्ट ने सभी दलीलों को खारिज करते हुए कहा कि "साक्ष्य और गवाहों की गवाही स्पष्ट है – यह एक शक्ति का दुरुपयोग और महिला की गरिमा का हनन है।"

सियासी हलचल

फैसले के बाद कर्नाटक की राजनीति में हड़कंप मच गया है। JDS ने पहले ही प्रज्वल को पार्टी से निष्कासित कर दिया था। कांग्रेस और भाजपा नेताओं ने इस फैसले को "न्याय की जीत" बताया और महिलाओं की सुरक्षा को लेकर कठोर कानून की मांग की। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा, "यह फैसला उन तमाम महिलाओं को हिम्मत देता है जो अत्याचार सहकर भी चुप रहती हैं। कानून किसी का नाम या रसूख नहीं देखता।" वहीं, पूर्व प्रधानमंत्री देवेगौड़ा ने मीडिया से कहा, "परिवार के लिए यह बेहद दुखद दिन है। लेकिन कानून का सम्मान हर किसी को करना चाहिए।"

शनिवार को होगी सजा की घोषणा

कोर्ट ने सजा के निर्धारण की प्रक्रिया के लिए सुनवाई शनिवार को तय की है। भारतीय दंड संहिता की धारा 376 और 506 के तहत रेवन्ना को 10 साल से लेकर उम्रकैद तक की सजा हो सकती है।

पीड़िता का बयान

फैसले के बाद पीड़िता ने मीडिया से कहा, "मैंने बहुत सहा, लेकिन अब मुझे लगता है कि मेरी आवाज सुनी गई। यह मेरी नहीं, हर उस औरत की जीत है जो चुप रहती है।" यह मामला एक बार फिर बताता है कि शक्ति और पद का दुरुपयोग चाहे कितना भी बड़ा हो, अगर पीड़ित हिम्मत दिखाए तो न्याय ज़रूर मिलता है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,